राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित | 8

वर्ष 12 अंक :228 रांची (झारखंड) शनिवार,31 मई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

भारतीय नौसेना फॉर्म में आती, तो पाकिस्तान के चार टुकड़े हो जाते : राजनाथ सिंह

अभी तो हमारी सेनाओं ने अपनी आस्तीनें पूरी मोड़ी भी नहीं थी, अभी तो हमने अपना पराक्रम दिखाना शुरू भी नहीं किया था।

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 1971 इसका गवाह है, कि जब भारतीय नौसेना हरकत में आई थी, तो पाकिस्तान एक से दो हो गया था। अगर ऑपरेशन सिंदूर में, भारतीय नौसेना अपने फॉर्म में आई होती, तो पाकिस्तान के दो टुकड़े ही न होते बल्कि मैं समझता हूँ शायद चार टुकड़े हो जाते। रक्षा मंत्री ने गोवा के तट से कुछ ही दूरी पर आईएनएस विक्रांत पर यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने कहा, ÷मैं यह बात फिर से, बेहद दृढ़ता से कहना चाहता हूँ, कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। यह सिर्फ एक विराम है, एक चेतावनी। अगर पाकिस्तान ने फिर वही गलती की, तो भारत का उत्तर और भी कठोर होगा, और इस बार, उसे संभलने का मौका नहीं मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक मिलिट्री एक्शन नहीं है बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का फ्रंटल असॉल्ट है। हम आतंकवाद के खिलाफ हर उस तरीके का इस्तेमाल करेंगे, जो

पाकिस्तान सोच सकता है, मगर हम उन तरीकों का इस्तेमाल करने में भी संकोच नहीं करेंगे, जो पाकिस्तान सोच भी नहीं सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी फोर्स की फॉरवर्ड तैनाती के साथ-साथ विक्रांत कैरियर बैटल ग्रुप की फोर्स प्रोजेक्शन ने भी हमारे इरादे और क्षमता का प्रभावी संकेत दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि आपकी इस मजबूत तैयारी ने दुश्मन के हौसले को पहले ही पस्त कर दिया। पाकिस्तान के लिए आपकी तैयारी मात्र ही बहुत थी। आपको तो एक्शन की जरूरत ही नहीं पड़ी, आपकी तैयारी से ही दुश्मन सकते में आ गया। पाकिस्तान ने भारतीय नौसेना की प्रचंड शक्ति, उसकी सैन्य सूझबूझ और विध्वंसक क्षमताओं को न सिर्फ महसूस किया, बल्कि वह उससे भयभीत भी हुआ। रक्षा मंत्री ने कहा कि हाफिज सईद 'मुंबई हमलों' का गुनहगार है। समुंदर के रास्ते मुंबई में मौत बरसाने का जो गुनाह उसके संगठन ने किया है, उसका इंसाफ होना चाहिए। यह काम पाकिस्तान में नहीं हो सकता है। मुंबई हमलों के एक आरोपी तहव्वुर राणा को पिछले दिनों भारत लाया गया है। पाकिस्तान की ओर से बार-बार बातचीत की पेशकश की जा रही है। कल ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने फिर यह बात दोहराई है, मगर भारत ने साफ कह रखा है कि बात होगी, तो आतंकवाद पर होगी, पीओके पर होगी। अगर पाकिस्तान बातचीत को लेकर गंभीर है, तो उसे हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को भारत के सुपुर्द करना चाहिए ताकि इंसाफ किया जा सके। गौरतलब है कि आईएनएस विक्रांत भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत है। इस भारतीय एयरक्राफ्ट कैरियर में फाइटर जेट और हेलीकॉप्टर दोनों ही हैं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने परिवार संग बाबा केदारनाथ के किए दर्शन

एजेंसी

देहरादून। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार सुबह परिवार संग बाबा केदारनाथ का दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने देश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की और बाबा केदार से आशीर्वाद लिया। सुबह झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन का हेलीकॉप्टर सुबह ठीक 08 बजकर 05

मिनट पर केदारनाथ हेलीपैड पर उतरा। मुख्यमंत्री अपने पूरे परिवार के साथ बाबा केदारनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर परिसर पहुंचे। मंदिर में पहुंचकर उन्होंने परिवार संग विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न की। केदारनाथ पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर और आस-पास की घाटी में फैले हिमालयी सौंदर्य का भरपूर आनंद लिया। हिमाच्छादित पर्वतों से घिरे इस तीर्थस्थल की दिव्यता और भव्यता ने मुख्यमंत्री और उनके परिवार को अभिभूत कर दिया।

बिहार में बोले प्रधानमंत्री मोदी-

'आतंकवाद हो या नक्सलवाद, अब माफी नहीं सीधा जवाब मिलेगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के काराकाट में आयोजित जनसभा में देश की सुरक्षा, बिहार के विकास और पिछली सरकार की नीतियों पर खुल कर हमला बोला। आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की निर्णायक रणनीति का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई न रुकी है, न थमी है। आतंक का फन अगर फिर उठेगा, तो भारत उसे बिल से खींच कर कुचल देगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के लोग इस बदलाव के गवाह हैं कि कैसे नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति लौट रही है। कभी जिन गांवों में स्कूल जलाए जाते थे, सड़क बनाने वालों को मारा जाता था, आज वहां सड़क भी है, अस्पताल भी है और मोबाइल टावर भी खड़े हैं। उन्होंने विकसित भारत

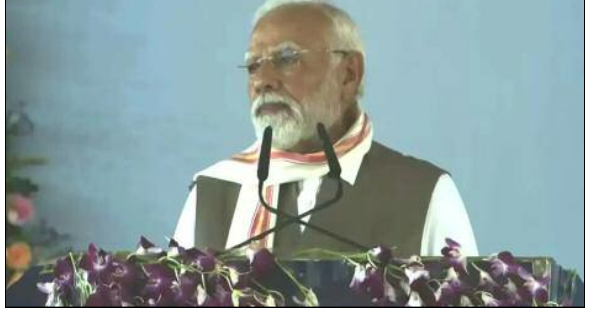

के लिए विकसित बिहार को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि 2014 में जब एनडीए सरकार केंद्र की सत्ता में आई थी, तब भारत में 125 नक्सल प्रभावित जिले थे, अब इनकी संख्या घटकर केवल 18 रह गई है। प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जिन्होंने दशकों तक बिहार के दलितों, पिछड़ों और गरीबों को शौचालय, बैंक खाता और छत जैसी बुनियादी जरूरतों से वंचित रखा, वे आज सामाजिक न्याय की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की, जबकि एनडीए सरकार ने सभी जरूरतमंदों तक सुविधाएं पहुंचाईं। उन्होंने कहा कि पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का लोकार्पण किया जा चुका है, जो अब सालाना एक करोड़ यात्रियों को संभाल सकेगा। बिहटा एयरपोर्ट पर भी 1,400 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। बिहार के मखाना किसानों के लिए मखाना बोर्ड की स्थापना और जीआई टैग की सुविधा को भी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में गिनाया।

भारत का एआई इकोसिस्टम वैश्विक सफलता के शिखर पर है : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम अब वैश्विक सफलता के शिखर पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार के अवसर से स्टार्टअप्स को मदद मिलेगी। स्टार्टअप्स को इमेज एडिटिंग, डीप-टेक, अर्थ ऑब्जर्वेशन से लेकर कन्वर्सेशनल एआई तक अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने, वैश्विक गठबंधन बनाने और स्केलेबल प्रभावशाली समाधान बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत, इंडियाएआई मिशन ने 'इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव' के लिए 10 स्टार्टअप को चुने जाने की घोषणा की है। भारत की एआई क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। 'इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव' स्टेशन एफ, पेरिस और एचईसी पेरिस के साथ साझेदारी में एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, फरवरी 2024 में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा ने न केवल उच्च-स्तरीय राजनीतिक प्रतिबद्धता का संकेत दिया, बल्कि वैश्विक एआई मानदंडों

और इनोवेशन डिप्लोमेसी को आकार देने के लिए भारत की मंशा को भी प्रदर्शित किया। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, भारत का एआई इकोसिस्टम अब वैश्विक सफलता के शिखर पर है। इस तरह की पहलों के माध्यम से, हम अपने सबसे बेहतरीन स्टार्टअप को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने, वैश्विक गठबंधन बनाने और स्केलेबल, प्रभावशाली समाधान बनाने में सक्षम बना रहे हैं।

भाजपा का कांग्रेस पर हमला- ऑपरेशन सिंदूर से 'सबूत गैंग' खुश नहीं

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विवादित टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जयराम रमेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी घिरते नजर आ रहे हैं। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पहले दिन से राहुल गांधी, जयराम रमेश और उनके लोगों ने भारतीय सेना, भारत के शौर्य पर सवाल उठाया, ये 'सबूत गैंग' खुश नहीं है। संबित पात्रा नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जयराम रमेश ने अपने बयान में कहा कि यहां आतंकवादी घूम रहे हैं, वहां सांसद घूम रहे हैं। एक ही सांस में आपने सांसदों और आतंकवादियों को समान कर दिया? सांसद घूमने नहीं गए हैं, वे भारत के पक्ष को विश्व के सामने रखने गए हैं, उसमें आपके भी सांसद हैं। अमेरिका के एक बड़े मिलिट्री एक्सपर्ट जॉन स्पेंसर के एक आलेख का हवाला देते हुए संबित पात्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने

न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से हराया, बल्कि एक बड़ी तकनीकी जीत भी हासिल की, क्योंकि पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर चीन के प्रॉक्सी के रूप में काम किया, जो चीनी प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर था। भारत के बारे में वैश्विक धारणा तेजी से सकारात्मक हुई है।उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल, विशेष रूप से कांग्रेस, भारतीय सशस्त्र बलों पर लगातार सवाल उठाकर राष्ट्रीय एकता का विरोध करना जारी रखते हैं। कांग्रेस ने आरंभ में कहा कि हम देश के साथ खड़े हैं मगर एक दिन भी ये भारत के साथ नहीं खड़े थे। चाहे राहुल गांधी हों, जयराम रमेश हों या रेवंत रेड्डी, उन्होंने जिस तरह के बयान दिए हैं, उससे भारतीय सेना का मनोबल गिराने की कोशिश की गई है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड : सभी आरोपियों को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा

लोगों ने सड़क पर उतरकर इस हत्याकांड में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी।

एजेंसी

उत्तराखंड । उत्तराखंड के अंकिता भंडारी हत्याकांड प्रकरण में संलिप्त तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। सजा का ऐलान कोटद्वार स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने दिया है। इस हत्याकांड में संलिप्त पुलकित आर्य, उसके कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को 302, 201, 354 के तहत दोषी करार दिया गया है। कोर्ट ने हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी पुलकित आर्य पर 302, 201, 354ए और अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत आरोप तय किए। वहीं, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को आईपीसी की धारा 302, 201 और अनैतिक देह व्यापार अधिनियम

के तहत दोषी करार दिया गया। दो साल आठ महीने तक इस पूरे मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट में कुल 47 गवाह पेश किए गए। 19 मई को ही इस पूरे मामले की सुनवाई पूरी हुई थी, जिसके बाद कोर्ट ने सजा सुनाने के लिए 30 मई की तारीख निर्धारित की थी। घर की आर्थिक हालत ठीक नहीं होने की वजह से अंकिता भंडारी ने रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन, उन्हें नौकरी ज्वाइन किए 20 दिन भी पूरे नहीं हुए थे कि वह गायब हो गईं। इसके बाद अंकिता के पिता ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कराने के लिए पौड़ी, मुनिकीरेती और ऋषिकेश के चक्कर काटे। लेकिन, किसी ने भी उनकी नहीं सुनी। इसके बाद जब इस मामले में दबाव बढ़ा, तो इसे पुलिस को सौंप दिया गया। इसके बाद पुलिस ने पुलकित आर्य और उसके दो अन्य साथी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को गिरफ्तार किया। इसके बाद 24 सितंबर 2022 को चीला नदी से अंकिता भंडारी का शव बरामद हुआ था। इस हत्याकांड ने उत्तराखंड के लोगों को उद्वेलित कर दिया था।

नकली खाद घोटाले पर किरोड़ी मीणा का शिकंजा

दूसरे दिन भी फैक्ट्रियों पर छापेमारी, कर्मचारी ताला लगाकर भागे, 5 यूनिट सीज

एजेंसी

अजमेर/किशनगढ़। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने किशनगढ़ इलाके में फैले नकली उर्वरक के गोरखधंधे पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार दूसरे दिन उन्होंने डींडवाड़ा, बांदरसिंदरी और चौसला गांव की खाद फैक्ट्रियों पर औचक छापेमारी की। मंत्री की कार्रवाई से हड़कंप मच गया और एक फैक्ट्री में तो कर्मचारी ताला लगाकर मौके से भाग खड़े हुए। किरोड़ी मीणा शुक्रवार सुबह डींडवाड़ा की राधिका एग्रो फैक्ट्री पहुंचे और फिर बांदरसिंदरी में एक अन्य खाद यूनिट का निरीक्षण किया। यहां से वे चौसला गांव पहुंचे जहां एक फैक्ट्री के कर्मचारियों ने खाद को बाहर फेंका और फैक्ट्री में ताला लगाकर फरार हो गए। मंत्री ने तुरंत अधिकारियों को फैक्ट्री तुड़वाकर जांच के निर्देश दिए।अब तक की जांच में 5 फैक्ट्रियों को सीज कर

दिया गया है। कृषि विभाग ने किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र की 34 फैक्ट्रियों को जांच के लिए चिन्हित किया है। अधिकारियों की मानें तो इन फैक्ट्रियों में तैयार नकली डीएपी, यूरिया, जिंक सल्फेट, जिप्सम और पोटाश की आपूर्ति सिर्फ राजस्थान में नहीं, बल्कि हरियाणा, पंजाब, बिहार जैसे राज्यों में भी की जाती रही है। किरोड़ी मीणा ने गुरुवार को किशनगढ़ की 12 खाद फैक्ट्रियों में औचक निरीक्षण किया था, जिसके बाद प्रशासन ने रातभर में सबूतों को सुरक्षित कर लिया।

जौनपुर में अनियंत्रित बस पलटने से पांच की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

जौनपुर। जिले में बक्सा थाना क्षेत्र क़े लखउवा हाईवे के पास एक प्राइवेट बस बेकाबू होकर पलटने से पांच यात्रियों की मौत हो गई। इस हादसे में छह से अधिक लोग घायल हुए हैं। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों का हालचाल लिया। जिलाधिकारी डॉ दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों से पूछताछ में पता चला है कि बदलापुर से जौनपुर शहर की ओर आ रही एक प्राइवेट बस बक्सा थाना क्षेत्र क़े लखउवा हाईवे के पास मोड़ होने की वजह से अनियंत्रित होकर पलट

गई। हादसे में पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद बस में फंसे घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।उन्होंने बताया कि दुर्घटना में मरने वालों की पहचान बक्सा की रहने वाले विजय शर्मा की पत्नी संध्या शर्मा (60), झारखंड की रहने वाली नेमा देवी (60), बस कंडक्टर काली चरण (36), सुशीला यादव के रूप में हुई है। इसके अलावा एक मृतक की अभीपहचान नहीं हो सकी है। इस दुर्घटना में छह से अधिक यात्री घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह लापरवाही और तेज रफ्तार हो सकती है। पुलिस बस चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की हैं। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को समुचित इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

हर आतंकी हमले का जवाब कठोरता और तत्परता से देना पीएम मोदी की नीति : अमित शाह

अमित शाह ने अपने जम्मू-कश्मीर दौरे पर सीमा पार से गोलीबारी में प्रभावित लोगों से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को नियुक्ति पत्र भी सौंपा।

एजेंसी

पुंछ । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने पुंछ दौरे के क्रम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति है कि हर आतंकी हमले का जवाब कठोरता और तत्परता से दिया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने जम्मू-कश्मीर दौरे पर सीमा पार से गोलीबारी में प्रभावित लोगों से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को नियुक्ति पत्र भी सौंपा। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। शाह ने कहा, पाकिस्तान ने घोर निंदनीय हमला किया। रिहायशी

इलाकों और धार्मिक स्थलों पर हमला किया। उस हमले में हमारे जो नागरिक हताहत हुए हैं, उनके परिजनों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र देने का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। हम सभी जानते हैं कि मुआवजा या सरकारी नौकरी से जीवन में जो हानि हुई है, उसकी क्षतिपूर्ति नहीं हो सकती, लेकिन जम्मू-कश्मीर सरकार, भारत सरकार और समग्र जनता की जो भावना जुड़ी है, यह उसका प्रतीक है। उन्होंने कहा, पूरा देश इस घटनाक्रम में आपके साथ चट्टान की तरह खड़ा है। जो बहादुरी पुंछ के नागरिकों और अधिकारियों ने दिखाई है, उससे पूरे देश का संबल बढ़ा है। पहलगाम में निर्दोष नागरिकों, यात्रियों पर कायराना हमला हुआ। पीएम मोदी की नीति है कि हर आतंकवादी हमले का जवाब तत्परता और कठोरता से दिया जाएगा।

उस नीति के तहत हमने 7 मई की रात को पीओके और पाकिस्तान में जो आतंकवादी अड्डे थे, उन्हें ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा, पहली बार भारत की सेना ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी हेडक्वार्टर को नष्ट कर दिया।

यह करारा जवाब समग्र भारत की जनता की ओर से दिया गया। पीएम मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से लिए गए निर्णय, हमारी एजेंसियों की सटीक सूचनाओं और सेना के अद्भुत साहस और अचूक मारक क्षमता के कारण यह संपन्न हो पाया कि सैकड़ों की संख्या में आतंकवादी हताहत हुए।

खरगे-राहुल के साथ असम कांग्रेस के पदाधिकारियों की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली ।असम प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई सहित पार्टी की प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों ने यहां कांग्रेस के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में बैठक की जिसमें असम के राजनीतिक हालात पर चर्चा की गयी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बैठक की जानकारी देते हुये कहा, आज, माननीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी के नेतृत्व में, कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में नवगठित असम प्रदेश कांग्रेस के सदस्यों के साथ मुलाकात और बैठक की। समझा जाता है कि बैठक में असम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर वहां के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में श्री खरगे तथा श्री गांधी के आलवा प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई, कांगेस संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह अलवर सहित कई प्रमुख नेता मौजूद थे। गौरतलब है कि कांग्रेस ने हाल ही में लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव

गोगोई को असम प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया था और इस नियुक्ति को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की भाजपा की हैट्रिक रोकने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। असम विधानसभा चुनाव में श्री गोगोई का अब मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा से सीधा मुकाबला होना तय माना जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने ली शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने शीर्ष अदालत परिसर के एक सभागार में आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। उनके शपथ ग्रहण करने के साथ ही उच्चतम न्यायालय के लिए कुल निर्धारित 34 न्यायाधीशों की संख्या पूरी हो गई। शपथ ग्रहण समारोह में शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों के अलावा अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता और गणमान्य लोग मौजूद थे।इस महीने उच्चतम न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति ए एस ओका के सेवानिवृत्त होने के बाद शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों के तीन पद खाली हो गए थे। न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की कॉलेजियम ने 26 मई 2025 को विभिन्न उच्च न्यायालयों के तीनों मुख्य न्यायाधीशों को शीर्ष अदालत में न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मुहर के बाद केंद्र सरकार ने गुरुवार को न्यायमूर्ति अंजारिया, न्यायमूर्ति बिश्नोई और न्यायमूर्ति चंदुरकर को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ लेने से पहले न्यायमूर्ति अंजारिया कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, जबकि न्यायमूर्ति बिश्नोई गुवाहाटी उच्च न्यायालय और न्यायमूर्ति चंदुरकर बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर थे।

संक्षिप्त समाचार

चतरा उपायुक्त ने पाँच चयनित अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। उपायुक्त ने समेकित बाल संरक्षण योजना, मिशन वात्सल्य के तहत संविदा के आधार पर चयनित 5 योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया। इनमें संरक्षण पदाधिकारी (संस्थागत देखरेख), संरक्षण पदाधिकारी (गैर-संस्थागत देखरेख), सामाजिक कार्यकर्ता और आकड़ा विश्लेषक पद शामिल हैं। चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देते हुए कहा अपने पद पर ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उक्त पद लगभग 11 वर्ष से रिक्त था, पूर्व में भी दो बार नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण की गई थी किंतु सभी पद में अभ्यर्थियों का चयन नहीं हो पाया था। आज उप विकास आयुक्त, चतरा एवं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, चतरा की उपस्थिति में उपायुक्त के कार्यालय प्रकोष्ठ में सभी पांचो चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया।

कोडरमा में ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, 9 आरोपी गिरफ्तार

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा (झारखंड), – कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत मिटको कॉलोनी में संचालित ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर विशेष टीम का गठन कर छापेमारी की गई। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 22 मोबाइल, 25 एटीएम, 11 चेकबुक, 16 बैंक खातों के दस्तावेज, 2 लैपटॉप, स्कैनर, स्वैप मशीन और ऑनलाइन सट्टे का हिसाब-किताब रखने वाली डायरियां बरामद की गई हैं। आरोपी Reddy App, 11xPlay और Cricbet99 के जरिए IPL, फुटबॉल, टेनिस व कसीनो गेम्स में सट्टा चलाते थे। सट्टेबाजी के लिए फर्जी दस्तावेजों से बैंक खाते खोले जाते थे, जिनके जरिए लेन-देन किया जाता था। इस मामले में तिलैया थाना में कांड संख्या 173/25 के तहत क्ळ एक्ट और लॉटरी रेगुलेशन एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

कोडरमा में अवैध गौ-तस्करी का भंडाफोड़, एक आरोपी गिरफ्तार

कोडरमा विजय यादव

कोडरमाः पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तिलैया थाना क्षेत्र में चलाए गए विशेष अभियान के तहत अवैध गौ-तस्करी में संलिप्त एक आरोपी समीर अंसारी (उम्र 25) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में एक भूरा रंग का बैल भी बरामद किया गया। आरोपी के पास किसी प्रकार के वैध दस्तावेज नहीं मिले। तिलैया थाना में कांड संख्या 172/25 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शहर में खुला प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र,
50 से 90 प्रतिशत की छूट के साथ मिलेगी दवाइयां

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ शहर में जन औषधि केंद्र खुलने से अब आम लोगों को महंगी दवाओं की मार से मिलेगा छुटकारा । पाकुड़ नगर मे प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र पाकुड़ धुलियान मेंन रोड के निकट टीनबंगला में खुला है, केंद्र का उद्घाटन गुरुवार को देर शाम हुई, जन औषधि केंद्र के संचालक संजय सिंह ने कहा कि जन औषधि केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को सस्ती दरों पर सभी बिमारी की दवा उपलब्ध होगी ।

उपायुक्त ने सुनी आम जनता की समस्याएँ, त्वरित कार्रवाई का दिया आश्वासन

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त आम जनों से सीधे संवाद स्थापित कर उनके मुद्दों को समझने और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं ।जनता दरबार में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक एवं प्रशासनिक समस्याओं को लेकर पहुंचे। उपायुक्त ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का समाधान नियमानुसार शीघ्रता से किया जाएगा ।इस अवसर पर उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशासन जनता के साथ खड़ा है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नमामी गंगे परियोजना अंतर्गत जिला गंगा समिति की बैठक संपन्न

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में नमामी गंगे परियोजना अंतर्गत जिला गंगा समिति की बैठक की गई। बैठक में 5 जून 2025 को आयोजित होने वाले विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा से संबंधित जन जागरूकता एवं प्रचार प्रसार कार्यक्रम के आयोजन हेतु बैठक की गई। इस्के अंतर्गत जिला के सभी संबंधित अधिकारी को निदेश दिया गया कि निरंजना नदी के उदगम स्थल सिमरिया प्रखंड से लेकर निरंजना नदी गुजरने वाले प्रखंड यथा लावालौंग,चतरा,हंटरगंज में यह कार्यक्रम व्यापक रूप से किया जाय। अन्य ब्लॉक में स्थित स्थानीय नदी एवं जलाशय के किनारे जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया गया। उक्त कार्यक्रम में श्रमदान, स्वच्छता अभियान,पौधा रोपण,गंगा चौपाल,नुक्कड़ नाटक,गंगा स्वच्छता संकल्प, भजन सह सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा। बैठक में उपायुक्त ने सभी आमजनों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में 5 जून को होने वाले कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाए। बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित,राज्य स्वच्छ गंगा मिशन नगर विकास एवं आवास विभाग झारखंड सरकार के संप्रेषण सह सामाजिक विकास प्रबंधक अंजना भारती, जिला खेल पदाधिकारी तुषार रॉय,सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जिला कौशल पदाधिकारी ने विभिन्न कौशल प्रशिक्षण केंद्रों का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ शुक्रवार को जिला कौशल पदाधिकारी राहुल कुमार द्वारा जिले में संचालित विभिन्न कौशल केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कौशल पदाधिकारी ने झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी (जेएसडीएम) के निदेर्शानुसार सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। पाकुड़ स्थित दूरदर्शी ज्ञान कौशल केन्द्र के मैनेजर वसीम को क्लास रूम का लाइव स्ट्रेचिंग सही करने का निर्देश दिया गया। साथ ही हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत मोहनपुर स्थित ₹निष्ठा₹ कौशल केन्द्र के सेंटर मैनेजर को छात्रावास एवं प्रशिक्षण केन्द्र में उचित स्वच्छता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। विदित हो कि जिले में श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा तीन कौशल केन्द्र चलाए जा रहे है, इसमें रहना, खाना बिल्कुल निःशुल्क है। इसमें अभ्यर्थियों को किसी प्रकर की फीस नही देनी पड़ती। उन्हें ड्रेस एवं पुस्तकें निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती है। इसमें कई प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाते हैं यथा नर्सिंग, सिलाई, कम्प्यूटर। उन्होंने पाकुड़ के छात्र-छात्राओं से इन कौशल प्रशिक्षण केन्द्रों में नामांकित होकर हुनरमंद बनने एवं रोजगार प्राप्त करने की अपील की।

भाजपा ने शासिका अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जन्मजयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःलोकमाता और पुण्यश्लोक की उपाधि से सम्मानित न्यायप्रिय शासिका अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जन्मजयंती गुरुवार देर शाम भाजपा जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन अपर्णा मार्केट कॉम्प्लेक्स में किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष सह महगामा के पूर्व विधायक अशोक भगत बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए, संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष सह महगामा के पूर्व विधायक अशोक भगत जी ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर एक ऐसी महान नारी थीं जिनका जीवन हर भारतीय को प्रेरणा देता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि एक महिला भी कुशल प्रशासक, धर्मनिष्ठ शासक और प्रजावत्सला माता हो सकती है। उनका नाम इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में लिखा गया है। आज भी इंदौर में उनकी स्मृति में अनेक स्मारक, विश्वविद्यालय और संस्थान स्थापित हैं ।उनकी जीवनगाथा नारी शक्ति, आत्मबल और सेवा भाव की जीती-जागती मिसाल है। जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अहिल्याबाई को न्यायप्रियता की मिसाल दी जाती है। उन्होंने अपने पुत्र को भी अन्यायपूर्ण आचरण के लिए दंडित किया। अहिल्याबाई होलकर की विरासत आज भी जीवित है। उनका जीवन आज भी शासन, सेवा और नारी सशक्तिकरण के लिए प्रेरणाप्रद है ।अहिल्याबाई स्वयं हर सुबह प्रातःकाल जनता दरबार लगाती थीं और लोगों की समस्याएं सुनती थीं।

वे राजकोष को केवल राज्य और धर्म-हित के लिए खर्च करती थीं। उनके शासन में भ्रष्टाचार नहीं के बराबर था, क्योंकि वे स्वयं लेखा-जोखा रखती थीं ।उन्होंने सेना का पुनर्गठन किया, ताकि बाहरी आक्रमणों से राज्य की रक्षा की जा सके। प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर स्वयं जनता की समस्याएं सुनती थीं और बिना भेदभाव के न्याय देती थीं ।उन्होंने सेना, भूमि व्यवस्था, कर संग्रह और व्यापार को संगठित किया। शर्मिला रजक ने कहा कि उन्होंने अनेक मंदिरों, घाटों, धर्मशालाओं और जलसेवाओं का निर्माण करवाया। काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, रामेश्वरम, द्वारका आदि तीर्थस्थलों के पुनर्निर्माण में उनका योगदान अद्वितीय है। अनुग्रहित प्रसाद साह ने कहा कि महिलाओं के कल्याण हेतु विशेष योजनाएं चलाईं और विधवाओं के अधिकारों को महत्व दिया। वे साहित्य और संगीत की संरक्षिका थीं। उनके दरबार में कई विद्वान और संत निवास करते थे। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष विवेकानंद तिवारी,अनुग्रहित प्रसाद साह, जिला महामंत्री रूपेश भगत सरिता मुर्मू,शर्मिला रजक, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, पार्थ रक्षित, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शबरी पाल, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक साह एवं अन्य उपस्थित रहे

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया ।जनता दरबार में समाज कल्याण, जमीन से संबंधित, प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय पाकुड़, जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, भू अर्जन कार्यालय आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

भूमि संरक्षण पदाधिकारी ने तालाब जीर्णोद्धार व परकोलेशन टैंक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ भूमि संरक्षण पदाधिकारी सुचित एक्का ने वित्तीय वर्ष-2023-24 एवं 2024-25 में किये गये तालाब जीर्णोद्धार व परकोलेशन टैंक निर्माण कार्य वाले योजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में लिट्टीपाड़ा प्रखंड के पंचायत- जोरडीहा में वर्ष 2023-24 में जीर्णोद्धार कराये गये सरकारी तालाब के पानी को लेकर पानी पंचायत के सदस्यों से मुलाकात किया। सदस्यों ने बताया कि उक्त तालाब का जीर्णोद्धार हो जाने से अगल-बगल के खेतों में चार्लेस सोरेन, बरबाद हांसदा एवं अन्य गत वर्ष खरीफ फसल के बाद रबी फसल जैसे सरसों, बैगन, मकई आदि का खेती किया गया। साथ ही तालाब में मछलीपालन कर हम सब कृषक व्यवसाय की ओर अग्रसर है। इसी प्रकार ग्राम-अम्बाजोड़ा,पंचायत-पाडेरकोला, अमडापाड़ा में वर्ष 2024-25 में नवनिर्मित कराये गये परकोलेशन टैंक योजना से लाभान्वित कृषक फाते हांसदा के द्वारा बताया गया कि उक्त तालाब में मछली पालन हेतु मछली का जीरा डाला गया है। वर्षा जल संचयन होने के बाद रबी फसल की खेती प्रारम्भ करेगें।

स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना सबकी जिम्मेदारी- डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जिले में स्वास्थ्य सेवा को दुरुस्त करने को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार लगातार प्रयासरत है। इसी को लेकर समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में तंबाकू, कालाजार, मलेरिया, डेंगू टीवी, आरबीएसके, कुष्ठ, एनसीटी पूर्ण टीकाकरण शहरी स्वास्थ्य प्रसव पूर्ण जांच संस्थागत प्रसव, विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाइयां (एसएनसीयू), एमटीसी तथा अन्य स्वास्थ्य विभाग इंडिकेटर की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने आरबीएस के डाक्टरों से कहा कि स्कूलों के छात्र-छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जन-जागरूकता लायें ताकि जमीनी स्तर पर लोगों में जागरूकता बढ़े और वे स्वयं भी तम्बाकू, डेंगू, मलेरिया आदि बीमारियों के रोकथाम के उपायों में भागीदार बनें। साथ ही तंबाकू चैंपियंस को चिन्हित कर कार्यशाला करवाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी टीवी मरीजों का इंसेंटिव जल्द से जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया तथा सभी मरीजों का एचआईवी जांच करने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने लिट्टीपाड़ा और अमड़ापाड़ा प्रखंडों को मलेरिया एवं कालाजार प्रभावित गांव में कीटनाशयुक्त मच्छरदानी वितरण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी चिकित्सा पदाधिकारियों को शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होने सभी गर्भवती माताओं का चार जांच, शत प्रतिशत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने टीकाकरण, टीबी, मलेरिया, कालाजार, महिलाओं का संस्थागत प्रसव के अलावा अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी प्रखण्ड चिकित्सा पदाधिकारी अपने अपने क्षेत्र में ही रह कर कार्य करें। उन्होंने एमओआईसी को महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच कार्य को प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने समय समय पर कार्य की प्रगति प्रतिवेदन की भी समीक्षा करने की बात कही ।उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएं। सदर अस्पताल समेत अन्य सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधा बेहतर करने की दिशा में कोई कसर नहीं रहे। मौके पर सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ के के सिंह, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, डीपीएम समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में खेल एवं पर्यटन योजनाओं की समीक्षा, कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला कार्यालय प्रकोष्ठ में खेल एवं पर्यटन विभाग से संबंधित संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला क्रीड़ा पदाधिकारी द्वारा अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई ।बैठक के दौरान उपायुक्त ने कई अहम निर्देश जारी किए। वर्तमान में जिले में एक आवासीय बालक तथा दो डे-बोर्डिंग एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं। उपायुक्त ने अतिरिक्त डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र की आवश्यकता को देखते हुए पुनः विभाग को पत्राचार करने का निर्देश दिया ।बैडमिंटन खेल के उन्नयन हेतु साहेबगंज में आवासीय प्रशिक्षण केंद्र खोलने का प्रस्ताव भेजने का आदेश भी दिया गया। इसके साथ ही, साहिबगंज एवं राजमहल अनुमंडल में खेल बैंक की स्थापना के बाद प्रशिक्षकों की नियुक्ति हेतु विभाग को पत्राचार का निर्देश जारी किया गया ।सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहिबगंज के गैलरी विस्तार हेतु विभाग से पुनः पत्राचार करने तथा माघी मेला की राशि की मांग को लेकर भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए ।पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के सौंदर्यीकरण व उन्नयन के लिए अनाबद्ध निधि की मांग को आगामी जिला पर्यटन प्रोत्साहन समिति (DTPC) की बैठक में रखने और विभाग को प्रस्ताव भेजने को कहा गया ।स्वतंत्रता सेनानियों व शहीद सैनिकों की स्मृति में साहेबगंज मुख्यालय में अमर जवान ज्योति स्थल निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर उसे भी अगली DTPC बैठक में रखने का निर्देश दिया गया।

इसके अतिरिक्त ओझा टोली घाट (साहेबगंज) व गंगा घाट (राजमहल) पर रिवर फ्रंट विकास हेतु उपयुक्त काउंसल्टेंसी एजेंसी से संपर्क स्थापित कर प्रस्ताव तैयार करने का आदेश भी दिया गया ।बैठक में जिला खेल पदाधिकारी पंकज झा समेत संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हंसध्वनि संगीत कला केन्द्र में कवि प्रणाम का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघरः बीते शाम रवींद्रनाथ टैगोर के 164 एवं काजी नजरूल इस्लाम के 126वां जन्म जयंती के उपलक्ष्य पर हंसध्वनि संगीत कला केन्द्र में ह्लकवि प्रणामह्व बहुत ही भक्ति भाव से आयोजित किया गया। मौके पर उपस्थित सभी अतिथि, अभिभावक एवं छात्र-छात्राओं द्वारा दोनों कवियों को पुष्पार्घ निवेदन किया गया एवं केन्द्राधीक्षक द्वारा आगन्तुकों के स्वागत में संबोधित किया गया। जबकि छात्र हर्षराज, रविकांत, संकेत व शाश्वत एवं छात्रा शगुन व शायना ने बारी-बारी से हिंदी व बंग्ला में रवींद्र व नजरुल संगीत सुनाया। इसके बाद कुमकुम बर्मन एवं डॉ प्रदीप कुमार सिंह देव ने गुरुदेव का कविता पाठ किया तो सुभाष सेन ने गीटार पर रवींद्र धुन बजाया व इन्द्रानी दे ने मधुर रवींद्र संगीत सुनायी। अंत में विश्वनाथ बनर्जी ने दोनों कवियों के कुछ विशेष घटनाओं का उल्लेख करते हुए नजरुल गीत गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि सभी कलाकारों के साथ सुनीथ करन एवं सुब्रत चटर्जी ने तबले पर बेहतरीन संगत दिया। इस अवसर पर देर शाम तक पवन राय, तपन चक्रवर्ती, अवन्तिका आनंद, संजय सरकार, मनिकंकना चटर्जी, उदय चक्रवर्ती, दीपनारायण झा सह भारी संख्या में रवींद्र एवं नजरुल अनुरागी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर भारी मात्रा में चुलाई शराब किया नष्ट

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ शुक्रवार को उत्पाद विभाग की टीम ने पाकुड़ मुफ्फसिल थानान्तर्गत वेलडंगा स्थित लीली टुडु के घर में छापामारी की गई। तलाशी के क्रम में 15 लीटर अवैध चुलाई शराब तथा 300 किलोग्राम अवैध जल मिश्रित जावा महुआ को बरामद किया गया तथा जल मिश्रित जावा महुआ को घटनास्थल पर विनिष्ट किया गया अभियुक्ति के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया।

छात्र क्लब ग्रुप ने अजय नाथ शाहदेव को दी बधाई

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची- झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन(जे.एस.सी.ए.)के चुनाव मे पूर्व उप महापौर अजय नाथ शाहदेव नए अध्यक्ष चुने जाने पर उनके आवासीय कार्यालय पी.पी.कम्पाउन्ड मे अंगवस्त्र,पुष्पगुच्छ एवं तलवार भेंटकर छात्र क्लब ग्रुप की ओर से क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा जी के अध्यक्षता मे सम्मानित करते हुए बधाई दी गई।इस मौके पर क्लब के संरक्षक समित कुमार,शुभम चौधरी,पिया बर्मन, वीणाश्री,कुमारी विनीता,नीलम

मीडिया प्रभारी चंदन कुमार,

भारत विभूषण लायन डॉक्टर राजेन्द्र कुमार हाजरा,अगाथा क्रिकेट अकादमी के डायरेक्टर राजन तिर्की,मुख्य कोच पारितोष साहू,विक्की सिंह,झारखंड उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य,लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के अध्यक्ष एम.जे.एफ.लायन राजेश केडिया,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,एचिवर्स एकेडमी के निदेशक प्रतिज्ञा कुमार सिंह,आर.आर.पब्लिक स्कूल,नावासोसो के निदेशक रवि रंजन कुमार,चटकपुर के उप मुखिया नमिता देवी आदि मौजूद थे। मौके पर डॉक्टर राजेंद्र कुमार हाजरा ने कहा क्रिकेट की पुरे विश्व मे एक अलग पहचान है। अजय नाथ शाहदेव जी के जे.एस.सी.ए.के नए अध्यक्ष बनने पर झारखंड क्रिकेट को एक नई ऊर्जा मिलेगी।राजेश केडिया ने कहा अजय नाथ शाहदेव जी की नई टीम क्रिकेट के उत्थान मे पूर्णरूप से मार्गदर्शित करेगी साथ ही अब झारखंड मे और भी अधिक टेस्ट क्रिकेट और एक दिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन होगा।

धन्यवाद ज्ञापित अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य ने किया।

बिहार के लोगों को भारी निराश किया प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी-डॉ सुरेश पासवान

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सुरेश पासवान ने कहा है कि दो दिवसीय दौरा पर बिहार आए देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का दौरा समाप्त हो गया।बिहार के लोगों को उम्मीद था कि प्रधानमंत्री जी के द्वारा बिहार को विशेष राज का दर्जा देने का घोषणा किया जाएगा,लेकिन उसके बारे में कोई भी चर्चा नहीं किया गया जिससे बिहार के चौदह करोड़ लोगों को फिर एक बार निराश होना पड़ा।पटना यूनिवर्सिटी को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया जाएगा,कुटकु मंडल डैम में गेट-फाटक लगाने का उद्घाटन किया जाएगा क्योंकि उन्होंने 2019 में गेट लगाने का शिलान्यास किया था,लेकिन उस पर भी चुप्पी साध लिए।हरिहरगंज -औरंगाबाद पटना जो ट्रैफि क के लिहाज से अति वयसतम सड़कों में से एक है जिसे फोरलेन सड़क बनाने के लिये डीपीआर बन गया था उसे रद्द कर दिया गया।उसके बदले सासाराम-पटना फोरलेन सड़क का शिलान्यास किया जाना अन्याय है,क्यूँ की वर्षों से हरिहरगंज-औरंगाबाद -पटना फोरलेन सड़क की न सिर्फ.प्रक्रियाएं पूरी की गई बल्कि देश के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के द्वारा बोधगया कार्यक्रम के दौरान स्वीकृति देने का घोषणा किया गया था।इसलिए औरंगाबाद अरवल एवं पटना जिला के नागरिकों को एक तरह से निराश ही नहीं किया बल्कि विकास के पैमाने से कोसो दूर कर दिया इसलिए आने वाला विधानसभा चुनाव में इसका भारी खामियाजा ठऊअ गठबंधन को उठाना पड़ेगा। आज जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है वह सब के सब पुराने औनगोइंग परियोजना है जैसे नवीनगर सुपर थर्मल पावर प्लांट,सोननगर अंडाल तीसरी रेल लाइन एवं सोनगगर मोहम्मद गंज तीसरी रेल लाइन पर वर्षों से रेल गाड़ी दौड़ रही है वैसे योजनाओं का उद्घाटन कहीं न कहीं जनता के आँख में धूल झोंकने का काम किया गया ।डोभी गया पटना फोरलेन का उद्घाटन भी जो किया गया वह भी लगभग एक वर्ष पहले से उस सड़क पर गाड़ियां दौड़ रही है ।यानी नया बोतल में पुरानी शराब परोसने वाली कहावत को प्रधानमंत्री जी ने आज चरितार्थ करने का काम किया है ।।यानि कुल मिलाकर के दो दिवसीय कार्यक्रम को कहा जाए तो सिर्फ.और सिर्फ.इस चुनावी वर्ष में चुनावी जुमला फेंक करके चले गए जिससे उनको कोई विशेष फायदा नहीं मिलने वाला है ।बिहार कि महान जनता एक के चीजों को बहुत बारीकी से विश्लेषण करती।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने बाबा मंदिर व एम्स, एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था व यातायात व्यवस्था का लिया गया जायजा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा व पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डुंगडुंग ने संयुक्त रूप से माननीय राष्ट्रपति महोदया द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर बाबा मंदिर, एम्स व एयरपोर्ट का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। इस दौरान माननीय राष्ट्रपति महोदया के आगमन के दौरान विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था व यातायात व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। इसके अलावे निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने एम्स परिसर में कार्यक्रम स्थल पर की जाने वाली विभिन्न तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। आगे उपायुक्त ने एयरपोर्ट, सर्किट हाउस एवं बाबा मंदिर के रूटलाइन का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों, लाइन एजेंसी, नगर निगम के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया, ताकि माननीय राष्ट्रपति देवो की नगरी देवघर से एक अच्छी अनुभूति प्राप्त कर यहाँ से प्रस्थान करें। *इस दौरान उपरोक्त के अलावा* अनुमंडल पदाधिकारी देवघर रवि कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला नजारत उप समाहर्ता, जिला योजना पदाधिकारी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

संतोषी माता मंदिर की वार्षिक पुजा धुमधाम से सम्पन्न

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघरः स्थानीय महावीर व्यायामसाला परिसर में स्थित एक मात्र मां संतोषी माता मंदिर की 23वां वार्षिक पूजा विधि विधान पूर्वक से पुजारी आनंद चरण मिश्रा एवं सुमित चरण द्वारा किया गया। मुख्य यजमान अमरनाथ केशरी, बिनोद केशरी एवं उनकी धर्मपत्नी रत्ना केशरी द्वारा मां संतोषी की श्रृंगार, पुजा, आरती, हवन, अभिषेक पुरे विधि विधान से की गई। पुजा के बाद बटुक भैरव, कुंवारी कन्या पूजन किया गया। तत्पश्चात सभी के बीच प्रसाद वितरण किया गया। बताते चलें कि इस मंदिर की स्थापना समाज सेवी राष्ट्रपति उम्मीदवार विश्वनाथ केशरी के पुण्य स्मृति पर 2002 में उनके पुत्रो द्वारा की गई। पुत्र अमरनाथ केशरी व बिनोद केशरी ने बताया की मेरे पिताजी विश्वनाथ केशरी माता संतोषी के बहुत बड़े भक्त थे। वे एक बार राष्ट्रपति व बांका लोकसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी थे, उसके बाद से पुरे मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा किया जाता है। मौके पर मंदिर के पुजारी पंडित सुरज नारायण तिवारी, संतोष केशरी, अमन कुमार, पवन कुमार दुबे, प्रदीप कुमार दुबे, आदित्य सिंह, आदि पुजा को सफल बनाने में तन मन से लगें हुए हैं।

न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्तागण

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिज्ञ संघ के अधिवक्ता नीरज रंजन सिन्हा के मृत्यु हो जाने पर आज जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के केन्द्रीय कक्ष में जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय के अध्यक्षता और महासचिव जगनरायण सिंह के संचालन में एक शोक सभा आयोजित किया गया और दो मिनट के मौन रखकर उनकी आत्मा के शांति की प्रार्थना किया गया अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि वक्ताओं ने कहा कि वे सरल स्वभाव, मधु भाषी, हमेशा प्रसन्नचित्त रहने वाले थे,59 वर्षीय नीरज रंजन सिन्हा 1990 से विधि व्यवसाय में थे, उनके मृत्यु के खबर से जिला विधिज्ञ संघ में शोक की लहर दौड़ गई,शोकसभा कर अधिवक्ताओं ने अपने आप को न्यायिक कार्य से विरत रखा,इस अवसर पर उपस्थित थे, पूर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह, पूर्व सचिव नागेन्द्र सिंह, एपीपी महेंद्र प्रसाद सिंह, स्पेशल पीपी परवेज अख्तर, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, प्रमोद कुमार सिंह, मधुसूदन प्रसाद सिन्हा,सरोज रंजन सिन्हा, संदीप कुमार,अनील कुमार सिन्हा, कामता प्रसाद सिंह, बागेश्वरी प्रसाद, सिद्धार्थ, नवीन कुमार, कमलेश द्विवेदी, क्षीतिज रंजन,अरूण पाठक,अशोक पासवान,अनील कुमार सिंह,अजय कुमार, सुनील कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

कॉन्सेप्ट कॉमर्स में 12वीं क्लास के छात्रों को चैप्टर वाइज टेस्ट होने से बच्चों में हर्ष

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कॉन्सेप्ट कॉमर्स एंड कंप्यूटर क्लासेस में शुक्रवार को 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों का एक विशेष टेस्ट आयोजित किया गया। यह टेस्ट संस्थान के निदेशक पिंटू गुप्ता की देखरेख में संपन्न हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक तैयारी का मूल्यांकन करना और उनके आत्मबल को सशक्त बनाना था। सुबह से ही संस्थान में छात्र-छात्राओं की भारी भीड़ देखी गई। टेस्ट शुरू होने से पहले संस्थान के निदेशक पिंटू गुप्ता ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, यह टेस्ट न केवल उनकी वर्तमान तैयारी का आंकलन करेगा,

बल्कि उन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए भी मानसिक रूप से तैयार करेगा। इस तरह के टेस्ट छात्रों को समय प्रबंधन, परीक्षा रणनीति और आत्ममूल्यांकन की दिशा में भी प्रोत्साहित करते हैं। इस मौके पर कंप्यूटर शिक्षक विशाल सर, छात्र अर्पणा कुमारी, चांदनी कुमारी, आकांक्षा कुमारी, निशा कुमारी, अंजलि कुमारी, आयुषी प्रिया, श्रुति कुमारी, अभिनव कुमार, रोहित कुमार, आयुष कुमार तथा अन्य उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने एनएच 133 ,(चौपामोड़ से हसंडीहा) के कार्यों में तेजी लाने का दिया निदेर्श:- उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा

भू-हस्तांतरण एवं भू-अर्जन से जुड़े मामलों में तेजी लाने की आवश्यकता:-उपायुक्त

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में आज दिनांक-30.05.2025 को समाहरणालय सभागार में एनएच 133 (चौपामोड़ से हसंडीहा सड़क निर्माण) के कार्यों की समीक्षा में भूमि भू-हस्तांतरण, भू-अर्जन एवं म्यूटेशन से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने परियोजना निर्देशक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय विवेक नंदन से चौपामोड़-हंसडीहा फोरलेन के चल रहे विभिन्न कार्यों की वस्तुस्थिति से अवगत हुए। साथ ही धनबाद स्थित प्रोजेक्ट इंप्लीमेंट यूनिट कार्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों में आ रही समस्याओं के निदान को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि समयानुसार कार्यों को पूर्ण किया जा सके। आगे उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया गया कि जिन परियोजनाओं में राशि उपलब्ध है उन रैयतों को मुआवजा राशि कैम्प लगाकर तत्काल वितरित करें। *बैठक में उपरोक्त के अलावे* परियोजना निर्देशक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी व एनएच के अधिकारी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

नव दंपति ने नारायण सेवा आश्रम में अनाथ बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का किया वितरण

बच्चों के बीच बाँटी खुशियां

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। नव दंपति ने नारायण सेवा आश्रम में अनाथ बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया. ज्ञात हो कि स्थानीय बेला बागान निवासी बचपन प्ले स्कूल की निदेशक रूपा श्री के सुपुत्र चि० अमन अमिताभ संग आयु० तृप्ति के मदर टच बचपन प्ले स्कूल में आयोजित शुभ विवाहोपलक्ष्य के पश्चात परिणय सूत्र में बंध गए. तत्पश्चात नव दंपति ने सर्वप्रथम ठाड़ी दुलमपुर स्थित नारायण सेवा आश्रम में पहुंचकर अनाथ बच्चों के बीच दिन भर समय बिताया साथ ही उनके बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया मौके पर बच्चों ने नव दंपति के साथ काफी आनंद लिया जबकि मौके पर मिष्ठान भोजन का भी लुफ्त उठाया. मौके पर आश्रम के सदस्यों ने आगंतुक नवदंपत्ति को उनके उज्जवल भविष्य एवं सुखमय दांपत्य जीवन की ढेर सारी बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा, कि नवदंपत्ति जीवन की पगडंडी पर तालमेल से आगें बढ़े। साथ ही, जीवन के उतार-चढ़ाव के सहयात्री और सुख-दुःख के सहभागी बने और खुशहाल व सुखमय गृहस्थ जीवन व्यतीत करने की कामना की। मौके पर अनेकों गणमान्य लोग, समाजसेवी, नगर-वासी, सगे-संबंधी, मित्र-शुभचिंतक एवं नाते-रिश्तेदार भारी संख्या में मौजूद थे।

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों को एकीकृत करते हुए किसानों को अधिकतम लाभ दिलाना करें सुनिश्चित:- उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में आज दिनांक 30.05.2025 को वित्तीय वर्ष 2024-25 में केन्द्र प्रायोजित RKVY-RAFTAAR योजना अन्तर्गत ub Mission on Agricultural Mechanization उपयोजना हेतु विभिन्न प्रखण्डों के लाभुकों से प्राप्त आवेदनों की सूची अनुमोदन हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों को एकीकृत तरीके से किसानों को अधिकतम लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। आगे बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में केन्द्र प्रायोजित RKVY-RAFTAAR योजना अन्तर्गत Sub Mission on Agricultural Mechanization (SMAM) उपयोजना अन्तर्गत महिला समूह/कृषक समूहों / लैम्प/पैक्स को कृषि उपकरण बैंक स्थापना एवं प्रगतिशील कृषकों को अनुदानित दर पर बड़ा ट्रैक्टर / मिनी ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्र वितरण हेतु विभिन्न प्रखण्डों के लाभुकों से प्राप्त आवेदनों की जांच करते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया। *बैठक में उपरोक्त के अलावा* भूमि संरक्षण सर्वेक्षण पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला प्रोग्राम मैनेजर, JSLPS, DDM, नाबार्ड, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं जिला स्तरीय गठित कमिटि के सदस्य उपस्थित थे।

कैलाशानंद गिरी बाबा बैद्यनाथ पर करेंगे बेलपत्र अर्पण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

श्री श्री 1008निरजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर परम पूज्य स्वामी कैलाशा नंद गिरी जी महाराज श्री निरंजनी अखाड़ा देवघरीया रंग में रंगे आज वो सिमुलतला के जंगल में बेलपत्र तोड़ने गये जो कल बाबा बैद्यनाथ पर अर्पित करेंगे। पंडा धर्मरक्षिणी सभा के महामंत्री के हाथों में बिल्वपत्र देखकर आश्चर्यचकित हो गये और पुरी जानकारी ली जब पंडा धर्मरक्षिणी सभा के महामंत्री निर्मल झा मंटू ने उन्होंने इस परंपरा से अवगत कराया तो वो भी इच्छा जाहिर किए तोड़ने की जिसपर धर्म रक्षिणी सभा के महामंत्री ने सभा के तरफ से साजी और डंडा भेंट किया गया और वो लोग जंगल की और चल पड़े उनके साथ उनके तीर्थ पुरोहित शुशील पलिवार धीरज पलिवार झलकू मिश्र मौजूद थे।

मांडर, वारंटी को पुलिस ने भेजा जेल

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर पुलिस ने एक वारंटी सोएब अंसारी को गिरफ़्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया है. वह कनभीठा का रहने वाला है. पुलिस के अनुसार ऑरिजनल मेंटनेंस केस के एक मामले में सोएब अंसारी पिता रफीक अंसारी के विरुद्ध वारंट निर्गत था!

अहिल्यादेवी होलकर: दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासक

ललित गर्ग

रानी अहिल्याबाई में इतिहास के गौरवशाली वीरों के गुण देखने को मिलते हैं। कोई भी महिला इतनी सर्वगुण संपन्न कैसे हो सकती है? इतिहास, वर्तमान और भविष्य में केवल एक ही नारी में इतने गुणों का समावेश होना संभव ही नहीं है। धर्माचरण, शासन प्रबंध, विद्वानों का सम्मान व न्याय, दानशीलता ,उदार धर्म नीति, भक्ति भावना, वीरता, त्याग व बलिदान, साहस, शौर्य से परिपूर्ण रानी अहिल्याबाई युगों- युगों तक अमर रहेगी।

भारतीय संस्कृति के उज्व्वल इतिहास के सुवर्ण पृष्ठों पर अनेक शील, शौर्य, शक्ति एवं पराक्रम संपन्न नारियों के नाम अंकित हुए हैं। शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं। ऐसी ही श्रृंखला में एक नाम है राजमाता अहिल्याबाई होलकर का, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये। जन कल्याण एवं सेवा के क्षेत्र में भी उन्होंने अनेक कार्य किए। भारत ऐसी ही आदर्श नारी चरित्रों की गौरव-गाथा से विश्व गुरु कहलाता था। इस वर्ष 31 मई, 2025 को उनकी जन्म जयन्ती का त्रिशताब्दी दिवस है।

कभी-कभी वास्तविक जीवन की घटनाएं कहानियों से भी अधिक अद्भुत, साहसी, रोमांचकारी एवं विलक्षण होती है। सच यह भी है कि कभी-कभी जिन्दगी की किताब के किरदार कहानियों, फिल्मों एवं उपन्यासों के किरदारों से भी कहीं अधिक सशक्त और अविस्मरणीय होते हैं। लौह महिला महारानी अहिल्याबाई होल्कर का व्यक्तित्व व कृतित्व भी ऐसा ही है, जो उन्हें विश्व की श्रेष्ठतम महिलाओं की पंक्ति में अग्रणी बनाता है, जिनका भारत के इतिहास और जनमानस पर विशेष प्रभाव रहा है। वे भारतीय इतिहास की एक विलक्षण, साहसी, दूरदर्शी, दार्शनिक एवं पराक्रमी नायिका है। राजमाता अहिल्याबाई होलकर, मालवा साम्राज्य की होलकर रानी थीं। उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में, मालवा की महारानी के रूप में, धर्म का संदेश फैलाने में, नयी शासन-व्यवस्था स्थापित करने और औद्योगीकरण के प्रचार-प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। अतीत से आज तक वे व्यापक रूप से अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक कौशल के लिए जानी जाती हैं।

31 मई 1725 को जामखेड, अहमदनगर (महाराष्ट्र) के चोंडी गाँव में जन्मी अहिल्या, एक साधारण परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी राव शिंदे, ग्राम प्रधान थे, जिन्होंने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया था। एक युवा लड़की के रूप में, उनकी सादगी और सुचरित्र के संयोजन ने, मालवा क्षेत्र के राजा मल्हार राव होलकर का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया। वे युवा अहिल्या से इतने प्रभावित थे कि 1733 में जब वे मुश्किल से आठ साल की भी नहीं हुई थीं, तब उन्होंने उनका विवाह अपने बेटे खंडेराव होलकर से करवा दिया। उनकी शादी के बारह साल बाद, कुम्हेर किले की घेराबंदी के दौरान, उनके पति खंडेराव की मृत्यु हो गई। अहिल्याबाई इतनी आहत हुईं कि उन्होंने सती होने का फैसला कर लिया। लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें इतना कठोर कदम उठाने से रोक लिया और अहिल्या को अपनी छत्र-छाया में लेकर, उन्हें सैन्य, राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों में प्रशिक्षित किया। राज-काज की बारीकियां समझाई।

'तमसो मा ज्योतिर्गमय'- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। राजमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन अनेक संकटों एवं संघर्षों का साक्षी बना। एक के बाद एक पहाड जैसे दुःख, आघात उन्हें झेलने पड़े। 1766 में अहिल्या के ससुर मल्हार राव का भी निधन हो गया। उसके अगले ही वर्ष, उन्होंने अपने बेटे माले राव को भी खो दिया। बेटे को खोने का दुःख उन्होंने अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राज्य और अपनी प्रजा के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पेशवा से, मालवा के शासन को संभालने की अनुमति मांगी। हालांकि, कुछ अभिजातों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें सेना का समर्थन प्राप्त था। सेना को उन पर पूरी श्रद्धा और विश्वास था, क्योंकि वह सैन्य और प्रशासनिक मामलों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित थीं। उन्होंने कई मौकों पर सेना का नेतृत्व किया था और एक सच्चे योद्धा की तरह लड़ाई लड़ी थी। 1767 में, पेशवा ने अहिल्याबाई को मालवा पर अधिकार करने की अनुमति दे दी। 11 दिसंबर 1767 को वे गद्दी पर बैठीं और इंदौर की शासक बनीं। अगले 28 वर्षों तक महारानी अहिल्याबाई ने न्यायोचित, बुद्धिमत्तापूर्ण और ज्ञानपूर्वक तरीके से मालवा पर शासन किया। अहिल्याबाई के शासन के तहत, मालवा में शांति, समृद्धि, खुशहाली और स्थिरता बनी रही। साथ ही साथ उनकी राजधानी साहित्यिक, संगीतात्मक, कलात्मक और औद्योगिक गतिविधियों के एक बेहतरीन स्थान में परिवर्तित हो गई। कवियों, कलाकारों, मूर्तिकारों और विद्वानों का उनके राज्य में स्वागत किया गया, क्योंकि वे उनके काम को बहुत सम्मान दिया करती थीं।

रानी अहिल्याबाई ने अपने समय में विभिन्न दिशाओं में सृजन की ऋचाएं लिखी हैं, नया इतिहास रचा है। अपनी योग्यता और क्षमता से स्वयं को साबित किया है। नारी शासक के रूप उन्होंने एक छलांग लगाई, राज-व्यवस्था एवं उन्नत समाज संरचना को निर्मित करते हुए जीवन की आदर्श परिभाषाएं गढ़ी थीं। वह अपनी प्रजा को अपनी संतान मानती थी। उन्होंने अपने शासनकाल में कई कानूनों को समाप्त किया, किसानों का लगान कम किया, कृषि, उद्योग धन्धों को सुविधा देकर विकास के अनेक काम किए। चोर, डाकुओं एवं अन्य अपराधियों को सही रास्ते पर लाकर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर उनकी जीवन दिशाएं बदली। रानी अहिल्याबाई महान परोपकारी, संवेदनशील एवं करूणामयी थी। राहगीरों, गरीबों, विकलांगों, साधु- संतों,पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं सभी का ध्यान रखती थी यहां तक कि अपने सैनिकों, कर्मचारियों के कल्याण के लिए भी वह कभी पीछे नहीं हटी। मन्दिरों का जीर्णोद्धार, पर्यावरण एवं जलसंधारण, विधि एवं न्याय व्यवस्था, नारी सम्मान और नारी शिक्षा, व्यापार, कौशल-विकास आदि उनके शासन की विशेष उपलब्धियां बनी। अहिल्याबाई का हृदय समाज के सभी वर्गों के लिए धड़कता था।

रानी अहिल्याबाई हिन्दू धर्म की पुरोधा, उन्नायक एवं रक्षक थी। उन्होंने बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम, जगन्नाथ पुरी, द्वारका, पैठण, महेश्वर, वृंदावन, सुपलेश्वर, उज्जैन, पुष्कर, पंढरपुर, चिंचवाड़, चिखलदा, आलमपुर, देवप्रयाग, राजापुर स्थानों पर मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया तथा घाट बनवाएं और धर्मशालाएं खुलवाए, जहां लोगों को प्रतिदिन भोजन मिलता था। काशी विश्वेश्वर मंदिर के साथ-साथ पूरे देश के मंदिरों का निर्माण व पुनर्निर्माण का कार्य रानी ने करवाया। त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग में तीर्थ यात्रा के लिए विश्रामगृह, अयोध्या, नासिक में भगवान श्रीराम के मंदिरों का निर्माण, सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, उज्जैन में चिंतामणि गणपति मंदिर निर्माण-ये सभी कार्य रानी ने दिल खोलकर किए हैं। उन्होंने कल्याणकारी व परोपकारी कार्यों द्वारा राष्ट्र निर्माण का महत्ती कार्य भी किया तथा देश में धार्मिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एकता कायम करने के लिए सराहनीय प्रयास किए। अहिल्याबाई ने महेश्वर में वस्त्र उद्योग भी स्थापित किया, जो वर्तमान में अपनी महेश्वरी साड़ियों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। शासन से लेकर संस्कार तक, साहित्य से लेकर समाज-निर्माण तक अनुभव गुम्फित है। न केवल राजनीति के क्षेत्र में बल्कि व्यक्ति निर्माण एवं समाज निर्माण के क्षेत्र में भी आपके विचारों का क्रांतिकारी प्रभाव देखने को मिलता है।

'दार्शनिक महारानी' की उपाधि से सम्मानित, अहिल्याबाई का 13 अगस्त 1795 को सत्तर वर्ष की आयु में निधन हो गया। रानी अहिल्याबाई में इतिहास के गौरवशाली वीरों के गुण देखने को मिलते हैं। कोई भी महिला इतनी सर्वगुण संपन्न कैसे हो सकती है? इतिहास, वर्तमान और भविष्य में केवल एक ही नारी में इतने गुणों का समावेश होना संभव ही नहीं है। धर्माचरण, शासन प्रबंध, विद्वानों का सम्मान व न्याय, दानशीलता ,उदार धर्म नीति, भक्ति भावना, वीरता, त्याग व बलिदान, साहस, शौर्य से परिपूर्ण रानी अहिल्याबाई युगों- युगों तक अमर रहेगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

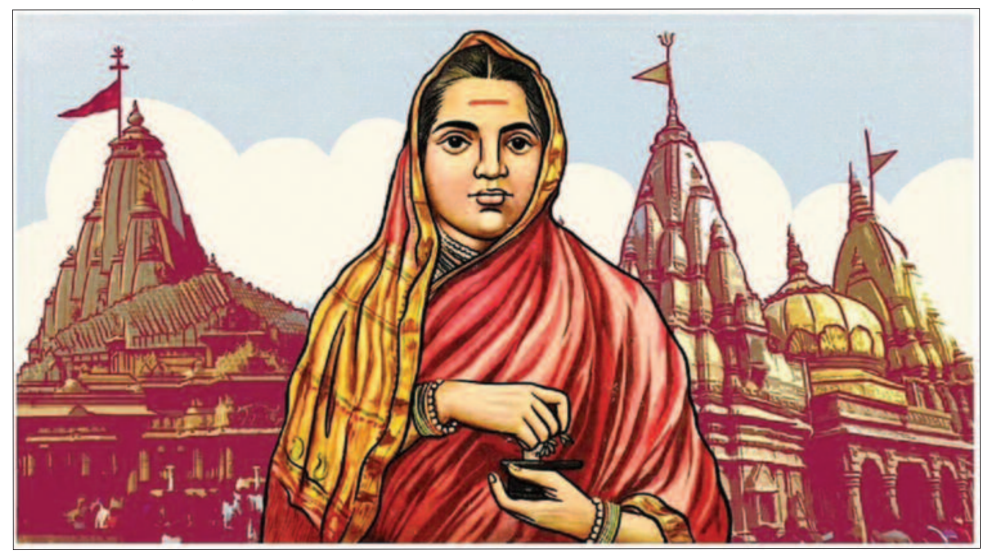

संपादकीय

पेड़ कटाई पर 'सुप्रीम' सख्ती

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को राजधानी के रिज क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए पेड़.काटने पर अवमानना का दोषी ठहराया। आदेशों का जानबूझकर पालन न करने को गलत प्रशासनिक निर्णय ठहराते हुए, व्यापक वनरोपण का आदेश दिया। साथ ही अधिकारियों पर पच्चीस हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। इससे पहले भी पेड़ों की अवैध कटाई को सुप्रीम कोर्ट ने इंसान की हत्या से भी बदतर कहा। पीठ ने संबंधित प्राधिकरण की अनुमति के बगैर पेड़ों की अवैध कटाई और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों पर कोई दया न दिखाने को कहा। माना जा रहा है कि अदालत द्वारा मानक तय कर दिया गया है, ताकि ऐसे मामलों में जुमार्ना लगाया जाए। पीठ ने इतने पेड़.लगाने व हरित क्षेत्र बनाने में सौ साल का वक्त लगने की बात भी की। देश में सरकार की अनुमति के बगैर हरे वृक्षों को काटने पर पाबंदी के बावजूद बड़ी संख्या में पेड़.काटे जाते हैं। पेड़.काटने के लिए लाइसेंस लेना पड़ता है, जिसमें पेड़. का विवरण, उसकी शाखाएं, स्वामित्व का प्रमाण व स्थिति के विषय में विवरण देना होता है। वन क्षेत्र की कमी व तेजी होते शहरीकरण, औद्योगीकरण, वनों के अवैध उपयोग के चलते पेड़ों की कटाई आम समस्या है। वन अधिनियम 1927 की धारा 26 व 379 में मामला दर्ज हो सकता है। 2010 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना का मकसद पर्यावरण संबंधी मामलों को निपटाने के लिहाज से शुरू गया। मगर वह भी अपनी भूमिका निभाने में प्रभावी होता नहीं नजर आ रहा है। हालांकि बढ़ते यातायात को देखते हुए सड़कों को चौड़ा किया जाना भी जरूरी है और विकास के लिए अधिकरण की जाने वाली आवश्यक भूमि की अवहेलना भी नहीं की जा सकती, परंतु नियम/कानून की अवहेलना करने वालों पर सख्ती बेहद जरूरी है। वरना ग्लोबल वामिृग की चपेट में आ चुके पर्यावरण की क्षतिपूर्ति असंभव हो सकती है। पेड़ों की अधाधुंध कटाई को वनरोपण से रोका तो नहीं जा सकता मगर कुछ हद तक लगाम जरूर लगाई जा सकती है। पुराने पेड़ों को एक-जगह से दूसरी-जगह स्थानांतरिक करने सरीखी आधुनिक तकनीक का प्रयोग करना भी संबंधित विभागों को सीखना चाहिए। क्योंकि हर मामले का निपटान अदालत द्वारा किया जाना भी मुश्किल है। इसलिए तौर-तरीकों में व्यावहारिकता को तरजीह दी जानी उचित होगी।

चिंतन-मनन

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

किशोरों की नसों में जहर भरता तंबाकू उद्योग

योगेश कुमार गोयल

कई घातक बीमारियों के जन्मदाता हैं तंबाकू उत्पाद...

पिछले कई दशकों में तंबाकू उत्पादों को लेकर दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान करना अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते या अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान अथवा तंबाकू उत्पादों के सेवन से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोध यह प्रमाणित कर चुके हैं कि धूम्रपान अथवा तंबाकू उत्पादों के सेवन करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान सहित तमाम तंबाकू उत्पाद ऐसा धीमा जहर हैं, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटते हैं। ये शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देते है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनते हैं। लोगों को तंबाकू को छोड़ने और इसे कभी हाथ नहीं लगाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष विश्वभर में 31 मई को ह्वविश्व तम्बाकू निषेध दिवसह्ल मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जो दुनियाभर में प्रतिवर्ष लाखों मौतों का कारण बनता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस ह्वअपील का पदार्फाश: तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करनाह्ल थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह थीम निर्धारित करते समय तंबाकू उद्योग द्वारा युवाओं को टारगेट करते हुए बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर खास ध्यान दिया गया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इत्यादि के जरिये दुनियाभर में युवा तेजी से तंबाकू उत्पादों के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियाभर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि अधिकांश देशों में 13-15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीन उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वैसे तो हुक्का, गुटखा, खैनी, जर्दा इत्यादि तमाम तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन इसका सबसे हानिकारक रूप है धूम्रपान, जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक ह्वमौत को खुला निमंत्रणह्ल में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है।

दुनियाभर में धूम्रपान के कारण 2019 में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

बहरहाल, धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मनुष्य के फेफड़ों में जादुई क्षमता होती है, जो धूम्रपान से होने वाले कुछ नुकसान को स्वयं ठीक कर देती है और जो व्यक्ति धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनकी चालीस फीसदी कोशिकाएं ऐसे लोगों की तरह ही हो जाती हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया।

कैब उद्योग : धत् कर्म से संदेह में कारोबार

रजनीश कपूर

भारत का 'कैब' उद्योग, जो कुछ वर्षों पहले तक तकनीकी नवाचार और सुविधा का प्रतीक माना जाता था, आज गंभीर विवादों और वित्तीय अनियमितताओं के कारण चर्चा में है। ब्लूस्मार्ट और ओला जैसी प्रमुख कंपनियों पर लगे धोखाधड़ी और कर चोरी के आरोपों ने न केवल उनके कारोबारी मॉडल पर सवाल उठाए हैं, बल्कि लाखों ग्राहकों के बीच अविश्वास और निराशा की भावना भी पैदा की है। ऐसी कंपनियां अब अपने ग्राहकों को ठगा हुआ महसूस करा रही हैं।

ब्लूस्मार्ट, जो 2019 में इलेक्ट्रिक वाहन-आधारित कैब सेवा के रूप में शुरू हुई थी, ने अपनी पर्यावरण-अनुकूल नीतियों और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के कारण तेजी से लोकप्रियता हासिल की थी। दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहरों में इसकी सेवाएं शुरू होने के बाद कंपनी ने कई बड़े निवेशकों से भारी फंडिंग प्राप्त की। हालांकि, अप्रैल, 2025 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा किए गए खुलासे ने ब्लूस्मार्ट की मूल कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग की वित्तीय प्रथाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। सेबी ने पाया कि जेनसोल के प्रमोटरों, अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी ने कंपनी को दिए गए 977.75 करोड़ रुपये के ऋण का दुरुपयोग किया। यह राशि, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद और बेड़े के विस्तार के लिए थी, कथित तौर पर आलीशान फ्लैट, गोल्फ किट, और अन्य व्यक्तिगत खर्चों पर खर्च की गई। सेबी की जांच के अनुसार, कंपनी ने केवल 4,704 वाहन खरीदे, जबकि 6,400 वाहनों का वादा किया था। परिणामस्वरूप 262.13 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आई। इस घोटाले का सबसे बड़ा झटका ब्लूस्मार्ट की अचानक सेवा बंदी के रूप में सामने आया जिसने अप्रैल, 2025 में इसके संचालन को ठप कर दिया। इस बंदी का असर हजारों ड्राइवरों, लाखों ग्राहकों व इनसे जुड़े कई लोगों पर पड़ा। ड्राइवरों को बिना पूर्व सूचना बेरोजगार छोड़ दिया गया जबकि ग्राहकों के वॉलेट में जमा राशि, जो लाखों रु पये में थी, फंस गई। दिल्ली के एक नियमित ग्राहक के अनुसार उन्होंने ब्लूस्मार्ट की सुविधा और पर्यावरण-अनुकूल सेवाओं की हमेशा प्रशंसा की थी, लेकिन अब उनके वॉलेट में 4,500 रुपये फंसे हुए हैं, और उन्हें रिफंड की कोई जानकारी नहीं मिल रही है।

ओला कैब्स, जो भारत के कैब बाजार में अग्रणी रही है, भी हाल के वर्षों में कई विवादों में उलझी हुई है। हाल में कंपनी पर कर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगे हैं। आयकर विभाग की एक जांच में पता चला कि ओला ने अपने ड्राइवरों के भुगतान और किराए की राशि पर टैक्स की गणना में अनियमितताएं बरतीं। यह भी आरोप है कि ओला ने अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से फंड को गलत तरीके से स्थानांतरित किया ताकि कर देनदारियों को कम किया जा सके। गौरतलब है कि ओला कैब्स की मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. ने भारत में एक अग्रणी इलेक्ट्रिक स्कूटर निमार्ता कंपनी 'ओला इलेक्ट्रिक' शुरू की। परंतु आज यह कंपनी अपने ग्राहकों व आपूर्तिकताओं के साथ वित्तीय अनियमितताओं के कारण चर्चा में है। ओला ने अपने सप्लायरों और लॉजिस्टिक्स पार्टनर्स को समय पर भुगतान करने में देरी की। सो, कई प्रमुख सप्लायरों ने कंपनी के साथ संबंध तोड़ लिए। एक सप्लायर ने तो ओला के खिलाफ दिवालियापन की याचिका भी दायर की जिसे बाद में कंपनी ने सुलझाने का दावा किया। ओला की लागत कम करने की रणनीति, जैसे वाहन पंजीकरण एजेंसियों के साथ अनुबंधों की पुनः बातचीत, ने बिक्री और पंजीकरण के आंकड़ों में भारी विसंगति पैदा की। फरवरी, 2025 में ओला ने 25,000 स्कूटर बेचने का दावा किया लेकिन वाहन पोर्टल पर केवल 8,390 पंजीकृत हुए। वित्तीय और परिचालन चुनौतियों के चलते ओला की बाजार हिस्सेदारी सितम्बर, 2024 में 27प्र. तक गिर गई।

ब्लूस्मार्ट और ओला से जुड़े विवादों ने ऐसे उद्योगों में ग्राहकों का विश्वास कमजोर किया है। इन घोटालों से भारत में ऐसे उद्योगों के लिए सख्त नियामक ढांचे की आवश्यकता को उजागर किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने और ग्राहकों तथा इनसे जुड़े अन्य लोगों के हितों की रक्षा के लिए कड़े नियम लागू करने चाहिए। आयकर विभाग, सेबी जैसे नियामक निकायों को ऐसी कंपनियों की निगरानी बढ़ानी चाहिए जो बड़े पैमाने पर फंडिंग जुटाती हैं, और लाखों ग्राहकों की निर्भरता का हिस्सा हैं। उपभोक्ता संरक्षण कानूनों को भी और सशक्त करने की आवश्यकता है ताकि ग्राहकों को रिफंड और मुआवजे के लिए लंबी कानूनी प्रक्रियाओं से न गुजरना पड़े। इस स्थिति को सुधारने के लिए कंपनियों को अपनी वित्तीय प्रथाओं में पारदर्शिता लानी होगी और नियामक निकायों को कड़े कदम उठाने होंगे। जब तक ऐसा नहीं होता, ग्राहकों और ऐसी कंपनियों से जुड़े अन्य लोगों का विश्वास जीतना इन कंपनियों के लिए एक बड़ी चुनौती बना रहेगा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

मेंस यूनियन के एक दिवसीय सेमिनार में रेलकर्मियों से जुड़ी समस्याओं को जोरदार ढंग से उठाया गया

जमालपुर। ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा जमालपुर के तत्वावधान में शुक्रवार को रेलवे ईस्ट कॉलोनी क्षेत्र स्थित केंद्रीय संस्थान के सभागार में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन के महामंत्री कामरेड अमित घोष उपस्थित थे। सेमिनार में अन्य वक्ता के तौर पर केंद्र की ओर से केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कामरेड कौशिक जैस, कामरेड रुपातन दास, कॉमरेड अनिल प्रसाद यादव, कॉमरेड सत्यजीत कुमार, केंद्रीय कोषाध्यक्ष कामरेड कृष्णेन्दु मुखर्जी तथा ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन के कार्यकारी कमेटी सदस्य कामरेड वीरेंद्र प्रसाद यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। सेमिनार में मुख्य रूप से रेल कर्मियों से जुड़े विभिन्न मांगों के साथ-साथ जमालपुर रेल इंजन कारखाना में कार्यरत रेल कर्मियों के स्थानीय समस्याओं को मेंस यूनियन के पदाधिकारी में जोरदार ढंग से उठाया। सेमिनार के आरंभ में ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा के उपाध्यक्ष कामरेड परमानंद के द्वारा झंडोतोलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इसके पश्चात शहीद बेदी पर माल्यार्पण तथा पुष्पार्चन कर शहीदों को श्रद्धांजलि दिया गया। सेमिनार की अध्यक्षता एवं मंच संचालन कामरेड परमानंद कुमार के द्वारा किया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए कॉमरेड अनिल प्रसाद यादव ने मुख्य रेलवे अस्पताल जमालपुर को मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के रूप में परिणत करने, वैगन रिपेयर हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने, जमालपुर कारखाना के कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर दस हजार करने, निर्माण से संबंधित सभी कार्य स्थाई कर्मचारियों से करवाने, यूनिफाइड पेंशन स्कीम में हो रही 10% कटौती को सूद सहित वापस करने, विद्युत इंजन, ईएमयू, मेमू के निर्माण तथा मरम्मतीकरण कार्य का लोड देने तथा कारखाना के शत प्रतिशत कर्मचारियों को इंसेंटिव देने की मांगों पर मुख्य रूप से जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को लेकर ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन शाखा जमालपुर

लगातार संघर्षरत है एवं जब तक इन मांगों को पूरा नहीं कर लिया जाता, तब तक यह संघर्ष निरंतर चलता रहेगा। मुख्य वक्ता महामंत्री कामरेड अमित घोष ने बताया कि रेल इंजन कारखाना जमालपुर की समस्या को लेकर केंद्र भी इस लड़ाई में जमालपुर कारखाना के कर्मचारियों के साथ है। इन स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए केंद्रीय स्थाई वार्ता तंत्र की बैठक में लगातार संघर्ष चल रहा है। जिसका परिणाम है कि जमालपुर कारखाने के मुख्य रेलवे अस्पताल के इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर पैसा दिया गया है। जल्द ही मुख्य रेलवे अस्पताल का इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह से बदलकर बेहतर सुविधा के साथ होगा। साथ ही साथ, ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा के सतत प्रयास के बाद जमालपुर कारखाने के इंफ्रास्ट्रक्चर को भी बेहतर करने की बात प्रशासन द्वारा हो चुकी हैं एवं इसके लिए पैसा भी मुहैया कराया जा रहा है। जमालपुर कारखाने के कर्मचारियों को जल्द ही यह कार्य जमीनी स्तर पर होते हुए दिखेगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि कारखाना कर्मियों के सैंक्शन स्ट्रैंथ को बढ़ाने के लिए भी संघर्ष जारी है एवं इसे भी जल्द हासिल किया जाएगा। साथ ही, विद्युत इंजन, ईएमयू, मेमू आदि का भी लोड जमालपुर कारखाने के लिए मुहैया कराया जाएगा। इसके लिए निरंतर संघर्ष जारी रहेगा। यूनिफाइड पेंशन स्कीम के संबंध में उन्होंने बताया कि निश्चित पेंशन की मांग पूरी हो चुकी है परंतु कर्मचारी के वेतन से हो रहे 10 प्रतिशत कटौती को सूद सहित वापस करने का हमारा संघर्ष जारी है। इसके लिए जरूरी है कि कर्मचारी एकजुट होकर ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन एवं एआईआरएफ का साथ दें। जमालपुर कारखाने के साथ-साथ अन्य जगहों पर चुनाव के समय सरकार परस्त संगठनों ने सरकार के समक्ष मौन रहकर समर्थन किया एवं बाहर आते हैं कर्मचारियों के समक्ष घड़ीयाली आंसू बहाते हुए कर्मचारियों का हितैषी बताने का दिखावा करने लगे। आज जब यूनिफाइड पेंशन स्कीम में हो रहे 10% कटौती की को लेकर संघर्ष की बात आई तो वो गायब है। हम लोग चरणबद्ध आंदोलन के तरीके से यूपीएस के कर्मियों को दूर करने के लिए संघर्षरत हैं और रहेंगे। ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन जमालपुर शाखा के संयुक्त सचिव गोपाल जी ने धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की। मौके पर शाखा के कोषाध्यक्ष रंजित कुमार सिंह, मृत्युंजय कुमार सिंह, कमोज कुमार, रिजवान आलम, अभिमन्यु पासवान,रवींद्र यादव, पूरण सोरेन, संजीव कुमार, राहुल रमण, राजीव कुमार, अमरेंद्र कुमार, अमित कुमार राय, मंजू श्रीवास्तव, धनंजय कुमार, ललन कुमार, अभिषेक कुमार, शिशिर कुमार, शिवव्रत गौतम, गणेश कुमार, देव शंकर सिंह, पंकज कुमार, संजय कुमार, रवि शंकर कुमार, धर्मेंद्र कुमार, चंदन कुमार,देवानंद सागर, महिला कमेटी से नूतन कुमारी, मधु कुमारी, कविता कुमारी, प्रियंका कुमारी, प्रीति कुमारी, नीतू कुमारी, रेणु देवी सहित जमालपुर कारखाने के लगभग हजारों कर्मचारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय पान महासंघ की बैठक मैं संगठन मजबूती पर चर्चा

भगत सिंह चौक स्थित एक होटल के सभागार में मनोनीत पदाधिकारी को दिया गया पत्र

रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर : शुक्रवार को कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत भगत सिंह चौक स्थित एक होटल के सभागार में अखिल भारतीय पान महासंघ के मुंगेर जिला अध्यक्ष विनय कुमार गुप्ता द्वारा आहूत जिला कार्यकारिणी की बैठक रामावतार तांती की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक के मुख्य अतिथि महिला प्रदेश उपाध्यक्ष माधुरी गुप्ता, बिहार प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार गुप्ता, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र तांती थे. मौके पर जिला अध्यक्ष विनय कुमार गुप्ता ने सभी प्रखंड अध्यक्ष,प्रखंड सचिव एवं कई पंचायत में पंचायत अध्यक्ष को मनोनीत करते हुए उन्हें मनोनियन पत्र दिया. कार्यकारिणी की बैठक में सदस्यों ने इंडियन इंकलाब पार्टी के मुंगेर जिला अध्यक्ष नरेंद्र तांती को बनाने का प्रस्ताव लाया.इस पर जिलाध्यक्ष ने सहमति जताते हुए कहा कि आज की कार्यकारिणी की बैठक में सर्वस्ममती से आईआईपी का जिलाध्यक्ष नरेंद्र तांती को बनाए जाने की मांग पत्र हम लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजेंगे. साथ ही उन्होंने नव मनोनीत पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वह दो दिनों के अंदर सभी प्रखंड में पंचायत अध्यक्ष तथा नगर में नगर अध्यक्ष को मनोनीत करते हुए उन्हें मनोनियन पत्र सौंप कर उनकी सूची जिला को उपलब्ध कराये. इसके अलावा सदस्यता अभियान पर विशेष ध्यान देने की बात कही. मौके पर अमरजीत कुमार,हरजीत, सननी कुमार, वीरेंद्र गुप्ता, निवास गुप्ता,प्रवीन गुप्ता, डॉक्टर रविंद्र तांती, दिलीप, बिंदेश्वरी, प्रकाश, अमित, प्रकाश गुप्ता, माला देवी, वंदना देवी, सुजाता देवी, मिस्टर, सनोज सहित अन्य मौजूद थे.

बेंगलुरु में पत्नी की हत्या के बाद पति ने मुंगेर में खाया जहर, चल रहा इलाज

मैं नहीं मारता, तो उसकी पत्नी व उसका प्रेमी मुझे मार देता: पति

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर. बेंगलुरु में पत्नी की हत्या कर भागा वासुदेवपुर थाना क्षेत्र के चंडीस्थान निषाद टोला निवासी शंभू सहनी (45) ने शुक्रवार को जहर खा लिया. तबीयत बिगड़ने पर घरवालों ने उसे इलाज के लिए मुंगेर सदर अस्पताल में भर्ती कराया. जहां उसका इलाज चल रहा है. इलाज को पहुंचे परिजनों ने जहां चुप्पी साध रखी थी. वहीं शंभू खुल कर पत्नी की हत्या करने की बात कबूल कर रहा है. सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में इलाजरत शंभू सहनी ने बताया कि 21 वर्ष पूर्व उसने गांव की रहने वाली अमृता से प्रेम विवाह किया था. डेढ़ साल पहले वह ठगी के मामले में गिरफ्तार हुआ था और 11 महीने मुंगेर जेल में बंद रहा. इस दौरान गांव के ही चंदन से उसकी पत्नी का अफेयर हो गया. जब वह जेल से निकला तो पत्नी को उसने समझाया. चंदन बेंगलुरू में घरों में टाइल्स मार्बल लगवाने का ठेका लेता है. चंदन ने काम दिलाने के नाम पर हमलोगों को वहां बुलवा लिया. जहां उसने पत्नी को कई बार चंदन के साथ देखा. जिसके बाद वह पत्नी पर घर चलने के लिए दबाव बनाने लगा. 27 मई को उसके शादी की सालगिरह थी. तभी उसे पता चला कि उसकी पत्नी अपने प्रेमी चंदन के साथ मिलकर उसकी हत्या करने वाला है. वे लोग मेरी हत्या करता, उससे पहले मैंने ईंट से प्रहार कर अपनी पत्नी अमृता की हत्या कर दी और वहां से भाग कर घर चला आया. पत्नी की हत्या करने के बाद मैंने भी आत्महत्या करने की ठान ली और बाजार से सल्फास खरीद कर खा लिया. तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे यहां भर्ती कराया. इधर, शंभू की मां कौशल्या देवी ने बताया कि उसके पोते आरव ने फोन कर बताया कि उसका पिता उसकी मां की हत्या कर भाग गया है. मृतका अमृता के भाई चंडी स्थान निषाद टोला निवासी जितेंद्र ने वासुदेवपुर थाना में लिखित शिकायत किया कि उसके बहनोई शंभू ने उसकी बहन की हत्या बेगलुरु में कर दिया था और यहां भाग आया. शंभु के परिजनों ने मेरे घर पर आकर गाली-गलौज किया और शंभू के फंसने पर देख लेने की धमकी दी. वासुदेवपुर थाना पुलिस उसकी शिकायत पर दोनों के घरों पर गयी, लेकिन शंभू का परिवार नहीं मिला. जितेंद्र ने बताया कि अमृता का चार दिन बाद शुक्रवार को बेंगलुरु में ही दाह संस्कार किया गया.वासुदेवपुर थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि चंडीस्थान निषाद टोला निवासी जितेंद्र सिंह ने गाली-गलौज करने की शिकायत की है. पुलिस मामले को देख रही है. अब तक बेंगलुरु पुलिस द्वारा वासुदेवपुर थाना से कोई संपर्क नहीं किया गया है. इस परिस्थिति में हमलोग कुछ नहीं कर सकते है.

विश्व पर्यावरण दिवस की तैयारी में जूती पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय

जमालपुर एवं आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में सैकड़ो पेड़ लगाने की है तैयारी

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। प्रकृति की आंचल में बसे जमालपुर शहर में पर्यावरणविद् के रूप में लगातार अपना योगदान देती आ रही समाजसेवी पिंकी पांडेय ने इस बार विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर जमालपुर शहर को हरा भरा करने का संकल्प लिया है। अपने इस संकल्प के तहत पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय की ओर से विशेष तैयारी की जा रही है। पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर जमालपुर के विभिन्न क्षेत्रों में 100 से अधिक पेड़ लगाने की तैयारी में है। विगत करीब एक दशक में ईस्ट कॉलोनी क्षेत्र स्थित रेलवे क्वार्टर से लेकर काली पहाड़ी की तराई में, धरहरा प्रखंड क्षेत्र के अमझर, बरमसिया जैसे क्षेत्रों में अब तक हजारों पेड़ लगाकर एक कीर्तिमान स्थापित करने वाली पिंकी पांडेय को जमालपुर नगर परिषद प्रशासन द्वारा जमालपुर नगर क्षेत्र को हरा भरा बनाने तथा ग्रीन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाने की तैयारी में है।

सिंथेटिक सिंदूर से दूर रहने के लिए आम लोगों को बना रही जागरूक

पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय जमालपुर शहर की आम जनता को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में लगातार अभियान चला रही है। लायंस क्लब, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, दधीचि विकलांग सेवा समिति, बैगर इंडियन आर्ट पंच जैसे कई सामाजिक संगठनों से जुड़कर पिंकी पांडेय पर्यावरण की रक्षा करने तथा समय-समय पर पौधारोपण कार्यक्रम चला कर आम लोगों को पर्यावरण से जोड़ने का प्रयास करती रहती है। अपने इसी प्रयास में सिंथेटिक सामग्रियों की अपेक्षा प्राकृतिक सामग्रियों के उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक बना रही है। पिंकी पांडेय ने बताया कि आम महिलाओं के दैनिक उपयोग में आने वाली सिंदूर को प्राकृतिक रूप से तैयार करने के लिए उनके द्वारा सिंदूर का पेड़ लगाया गया है। इस पेड़ के बीज और कलम के माध्यम से नई पौध तैयार कर आम घरों में सिंदूर का पौधा वितरित करने की तैयारी उनके द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि जमालपुर के कई महिलाओं के बीच उन्होंने सिंदूर का पौधा वितरित करते हुए उन्हें सिंदूर के पौधे में तैयार बीज से प्राकृतिक सिंदूर कैसे तैयार किया जाता है, इसको लेकर भी महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें प्राकृतिक सिंदूर के प्रति जागरूक बनाया जा रहा है। उन्हें अधिक से अधिक प्राकृतिक सिंदूर का उपयोग कर सिंथेटिक सिंदूर का बहिष्कार करने की सलाह दी जाती है। फलदार वृक्ष और ऑक्सीजन तैयार करने वाले वृक्षों को अधिक से अधिक लगाने पर दिया जाता है जोर पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय के द्वारा जमालपुर एवं आसपास के क्षेत्र में आयुर्वेदिक औषधि गुणों से युक्त वृक्ष तथा फलदार वृक्ष के साथ-साथ अधिक से अधिक ऑक्सीजन तैयार करने वाले वृक्षों के पौधे लगाने की दिशा में उनकी टीम लगातार प्रयास करती है। जिससे पर्यावरण में ऑक्सीजन की मात्रा संतुलित हो सके तथा आम लोगों को औषधि और फल का भी लाभ मिल सके। किसी के तहत नीम, पीपल, बरगद, अमरूद, सहजन, शहतूत, देवदार, कटहल और आम जैसे पेड़ों को भी प्रमुखता से लगाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

कहलगांव के डीएसपी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, मामला गवाही नहीं देने का

07 जून को शेखपुरा कोर्ट में पेश होने का ऑर्डर

शेखपुरा अदालत ने कहलगांव में पदस्थापित डीएसपी कल्याण आनंद के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

यह वारंट शेखोपुरसराय थाने में दर्ज हत्या के मामले में गवाही नहीं देने पर जारी हुआ।

डीएसपी आनंद 2020 में शेखोपुरसराय के एसएचओ थे जहाँ हेमंत कुमार की हत्या हुई थी।

रंजीत विद्यार्थी

शेखपुरा : भागलपुर जिले के कहलगांव में पदस्थापित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) कल्याण आनंद के खिलाफ शेखपुरा की अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। स्थानीय अदालत ने 07 जून को डीएसपी कल्याण आनंद को शेखपुरा की अदालत में सदेह उपस्थित कराने का निर्देश दिया है। लोक अभियोजक उदय नारायण सिंहा ने जानकारी देते हुए बताया शेखपुरा जिला के शेखोपुरसराय थाना में दर्ज एक हत्या के मामले में गवाही नहीं देने पर शेखपुरा के प्रधान जिला न्यायाधीश की अदालत ने यह गिरफ्तारी वारंट किया है। उक्त हत्या मामले के अनुसंधानकर्ता डीएसपी कल्याण आनंद थे। यह मामला 2020 का है जब डीएसपी कल्याण आनंद प्रशिक्षु के रूप में शेखपुरा जिला के शेखोपुरसराय थाना के एसएचओ थे। तब 02 दिसंबर 2020 को शेखोपुरसराय थाना के कबीरपुर गांव में हेमंत कुमार नाम के युवक की हत्या हो गई थी और एसएसओ के रूप में डीएसपी कल्याण आनंद इसके अनुसंधानकर्ता थे। आनंद फिलहाल भागलपुर जिला के कहलगांव में डीएसपी हैं। हत्या के उक्त मामले में शेखपुरा की स्थानीय अदालत में अनुसंधानकर्ता की गवाही लंबित है। कई बार समन नोटिस के बाद भी गवाही के लिए उपस्थित नहीं होने पर गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश गुरुवार को पारित किया गया है।

मुंगेर में मंदिर का दिवाला टूटा तो सात भेजे गए जेल, लेकिन 'विद्या का मंदिर' टूटा तो अब तक नहीं हुई कोई कार्रवाई

महमदा - गढीरामपुर मामले में पुलिस दिखी मुस्तैद, स्कूल भवन तोड़ने के मामले में बनी है उदासीन

रंजीत विद्यार्थी

बरियारपुर (मुंगेर) : मुंगेर जिले के नयारामनगर थाना अंतर्गत श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी का असामाजिक तत्वों के द्वारा दीवाल क्षतिग्रस्त किए जाने के उपरांत महमदा पाटम एवं गढीरामपुर गांव के बीच आस्था के नाम पर हुए हिंसक वारदात के मामले में मुंगेर पुलिस ने जिस प्रकार से अपना एक्शन मोड दिखाया और सात लोगों को घटना वाले रात्रि में ही गिरफ्तार कर अगले दिन ही जेल भेज दिया. यह काबिले तारीफ है. दोनों गांव के बीच तनाव को देखते हुए पुलिस महामद गांव के समीप मंदिर के निकट आज भी वहां कैंप कर रही है. वही दुसरी ओर बरियारपुर थाना अंतर्गत मध्य विद्यालय फुलकिया जो की 'विद्या का मंदिर' हैं (स्कूल भवन) को स्थानीय सत्ता संरक्षित दबंगो के द्वारा काली मंदिर के रास्ता निर्माण के नाम पर जेसीबी मशीन से ध्वस्तु किए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के एक सप्ताह बाद भी पुलिस द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं किया जाना पुलिस पुलिस की उदासीनता को दशार्ता है. विद्या के मंदिर स्कूल भवन तोड़ने के मामले में पुलिस ने सिर्फ रास्ता निर्माण पर रोक लगाकर मात्रा खानापूर्ति की. ऐसा बरियारपुर प्रखंड क्षेत्र के लोगों का कहना है.पुलिस रोक के बावजूद सत्ता संरक्षित दबंग ध्वस्त किए गए विद्या के मंदिर के मलवे से चोरी छिपे रात्रि में रास्ता का निर्माण कर रहे हैं. लोग अब सवाल उठाने लगे हैं कि श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी मंदिर का दिवाला टूटा है, तो जिला प्रशासन और पुलिस आस्था के नाम पर त्वरित कार्रवाई करती है. वहीं दूसरी ओर जब दबंगों द्वारा बिना जिला प्रशासन से अनुमति लिए विद्या का मंदिर (स्कूल भवन) को जेसीबी मशीन से तोड़कर काली मंदिर के नाम पर रास्ता का निर्माण करता है तो फिर जिला प्रशासन और पुलिस खामोश, बेबस और लाचार क्यों है ? मुंगेर के फिजाओं में एक अहम सवाल जो तैर रहा है, वह जिला प्रशासन और पुलिस के कार्य प्रणाली पर सवाल उठाने के लिए काफी है. ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं का कहना है कि मंदिर

आस्था का केंद्र है तो विद्यालय 'ज्ञान का मंदिर' है. विद्या के मंदिर स्कूल में देश के नोनीहाल ज्ञान अर्जित कर अपने प्रदेश और देश का नाम रोशन करते हैं. जिला प्रशासन और पुलिस को विद्या के मंदिर स्कूल भवन को भी मंदिर की तरह समझना चाहिए. शिक्षा विभाग भी इस मामले में आखिर क्यों उदासीन बनी हुई है? शिक्षा विभाग के डीपीओ से जब मीडिया कर्मी बात करते हैं तो उनका एक ही रटा - रटाया जवाब मिलता है की डीएम साहब को पत्र लिखे हैं. आदेश मिलने के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा. इतना कह कर डीपीओ साहब अपना पल्ला झाड़ लेते हैं. दबंगों द्वारा स्कूल भवन को जेसीबी मशीन से ध्वस्त किए जाने की घटना को सप्ताह बीतनने को है, लेकिन जिला प्रशासन की ओर से अब तक डीपीओ शिक्षा विभाग को किसी प्रकार का निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है. जिला समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष पप्पू यादव, जिला राजद के महासचिव संतोष कुमार यादव, प्रदेश महासचिव पंकज कुमार यादव, प्रमोद यादव, बिहार फूले अंबेडकर विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष मणि कुमार अकेला, जन सूराज के संस्थापक सदस्य सह बेगूसराय जिला प्रभारी मो. साहब मलिक, लोकमंच (सामाजिक एवं सांस्कृतिक) संस्था के महासचिव विनय कुमार सिंह सहित आनंद नेताओं तथा सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि जिला प्रशासन और पुलिस सत्ता संरक्षित नेताओं के दबाव में बेबस और लाचार बना हुआ है. जिसका परिणाम है कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद भी सत्ता संरक्षित दबंग किस्म के लोग काली मंदिर के नाम पर स्कूल भवन को तोड़कर रास्ता का निर्माण कर रहे हैं. स्थानीय ग्रामीण इतना दबंग से भयभीत है कि अपना मुंह खोलने को तैयार नहीं है. राजद के जिला महासचिव संतोष कुमार यादव ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्रीय विधायक प्रणव यादव और क्षेत्रीय सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह भी इस मामले में आखिर खामोश क्यों है ? जो सवालों के घेरे में है. क्षेत्रीय जिला परिषद सदस्य दुर्गेश सिंह सहित स्थानीय मुखिया और पंचायत प्रतिनिधि की खामोशी भी सवालों के घेरे में है. बरियारपुर में बिहार सरकार मे पूर्व मंत्री रहे एक रहनुमा का आवास भी है. वे भी मूकदर्शक बने हुए हैं. मुंगेर विधानसभा से राजद के प्रत्याशी रहे अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव ने क्षतिग्रस्त विद्यालय भवन का जायजा लेना तक मुनासिब समझा. विद्या के मंदिर को दबंगों द्वारा ध्वस्त किए जाने और काली मंदिर के नाम पर रास्ता निर्माण दबंगों द्वारा सत्ता के संरक्षण में कराए जाने से स्थानीय लोगों सहित क्षेत्र वासियों में आक्रोश गहराता जा रहा है, जो किसी भी वक्त आंदोलन का रूप अख्तियार कर सकता है.

संक्षिप्त समाचार

नेत्र चिकित्सक डॉ हनुमान राम को पत्नी शोक

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय औरंगाबाद के महाराणा प्रताप चौक के समीप सिद्ध पीठ के पास जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन, समकालीन जवाबदेही परिवार, बतकही परिवार के संयुक्त तत्वावधान में औरंगाबाद जिले के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन एवं समकालीन जवाबदेही परिवार के संरक्षक डॉ हनुमान राम जी के धर्मपत्नी के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में आयोजित शोकसभा में डॉ हनुमान राम के धर्म पत्नी के सम्मान में सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखा एवं मृतक के आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। कहा कि इस संकट की घड़ी में ईश्वर उनके परिवार को संबल प्रदान करें। समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा,अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ शिवपूजन सिंह ने कहा कि उनकी पत्नी एक धर्म परायण महिला थी कर्मठी एवं शिक्षा के प्रति दृढ़ संकल्पित,सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाली महिला थी। गरीब एवं असहायों को हमेशा मदद किया करती थी। माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता राम भजन सिंह,पूर्व डीएसपी उदय प्रताप सिंह,नारायण सिंह,प्रसिद्ध कवि लवकुश प्रसाद सिंह,इंजीनियर अर्जुन सिंह,पूर्व दारोगा सिंहेश सिंह एवं अशोक कुमार सिंह,शिव शिष्य पुरुषोत्तम पाठक, प्रो रामविलास सिंह, पूर्व हेड मास्टर राम सुरेश सिंह,अलखदेव सिंह,अर्जुन सिंह सहित अन्य लोगों ने अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके आकस्मिक निधन से सामाजिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

मनु महाराज को आईजी बनने पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने बधाई दी

पटना , । बिहार के आईपीएस मनु महाराज को आईजी बनने पर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने उनको बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दिया। मनु महाराज एक प्रसिद्ध भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं, जिन्हें बिहार में 'सुपर कॉप' के नाम से जाना जाता है। वह 2005 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और बिहार कैडर से संबंधित हैं। मनु महाराज मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं और उन्होंने आईआईटी रुड़की से बीटेक किया है। उन्होंने यूपीएससी परीक्षा भी पास की, जिसके बाद उन्हें आईए के साथ-साथ आईपीएस के लिए भी चुना गया, लेकिन उन्होंने आईपीएस को चुना। मनु महाराज ने बिहार कर्मचारी चयन आयोग घोटाले में एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को गिरफ्तार करने के लिए भी जाना जाता है।मनु महाराज को एक सख्त और प्रभावी पुलिस अधिकारी के रूप में जाना जाता है, और उनके नाम से अपराधी डरते हैं। वह बिहार में अपने कार्य के लिए प्रसिद्ध हैं और उन्हें एक रियल लाइफ सिंघम के रूप में भी देखा जाता है। भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा की उन्होंने बिहार मे भी अपने कार्यकाल मे काफी सराहनीय कार्य किये है जिसकी चर्चा पूरे बिहार मे होती है और उन्होंने हमेशा से अपनी कार्य लगन से किये और जो भी जिम्मेदारी मिली उसी अच्छी तरह निभाया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा युवा मोर्चा सुमंत तिवारी मोनू सिंह ने भी बधाई दिया।

मुंगेर बंदूक फैक्ट्री में सीढी से पैर फिसलने के कारण होमगार्ड जवान की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

होमगार्ड जवान मो. जुबैर आलम का मुंगेर सदर अस्पताल में कराया गया पोस्टमार्टम

मृतक के परिजनों को मिले उचित मुआवजा और अनुकंपा पर नौकरी : साहब मालिक

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : मुंगेर जिले के किला परिसर स्थित बंदूक फैक्ट्री में कार्यरत होमगार्ड जवान मोहम्मद जुबैर आलम की छत से उतरते समय सीढ़ी पर पैर फिसलने से गिरकर मौत हो गई है। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है, पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस किसी को भी इस घटना की जानकारी मिली वह स्तब्ध रह गया। 45 वर्षीय होमगार्ड जवान मोहम्मद जुबैर आलम के साथ यह दुर्घटना शुक्रवार सुबह छत से उतरते समय सीढ़ी पर पैर फिसलने के बाद हुई। बताया जाता है कि जवान रात में छत पर ही सोए थे। सुबह सीढ़ी से उतरते वक्त उनका पैर फिसल गया, जिससे वह नीचे गिर गए और इस दौरान उनके सिर में गंभीर चोट लगी। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मोहम्मद जुबैर आलम की मौत से उनकी पत्नी अफसाना बेगम, पिता अब्दुल जब्बार और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक असरगंज थाना क्षेत्र के बिशनपुर गांव के निवासी थे और पिछले एक साल से बंदूक फैक्ट्री में सुरक्षा प्रहरी के रूप में अपनी सेवा दे रहे थे। पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया में जुटी है। मोहम्मद जुबैर आलम की मौत क की सूचना मिलते ही जन सुराज पार्टी के संस्थापक सदस्य सह बेगूसराय जिला प्रभारी मोहम्मद साहब आलम सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को दुख की इस घड़ी में कम से कदम मिलाकर साथ दिया. मो. साहब मलिक ने जिला एवं पुलिस प्रशासन से मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा सहित अनुकंपा पर नौकरी देने की मांग की.

प्रधानमंत्री ने एनटीपीसी नबीनगर एसटीपीपी, स्टेज-II (3x800 मेगावॉट) का शिलान्यास किया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद (बिहार)/ नई दिल्ली पूर्वी भारत में ऊर्जा आत्मनिर्भरता को और मजबूत करते हुए, प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी ने 30 मई को बिहार के औरंगाबाद जिले में 29,948 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले एनटीपीसी नबीनगर एसटीपीपी, स्टेज-II (3x800 मेगावॉट) का शिलान्यास किया। कुल 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं का माननीय प्रधानमंत्री ने शिलान्यास, उद्घाटन और लोकर्पण किया। कार्यक्रम के दौरान, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय कोयला और खदान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और केंद्र एवं बिहार सरकार के अन्य वरिष्ठ गणमान्य भी उपस्थित रहे। एनटीपीसी नबीनगर एसटीपीपी, स्टेज-क्क (3x800 मेगावॉट) परियोजना अत्याधुनिक अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी पर आधारित है, जो विद्युत उत्पादन की

सर्वाधिक एफिशिएंसी प्रदान करती है। एनटीपीसी द्वारा पानी बचाने की अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत नबीनगर स्टेज ।। संयंत्रों में ड्राई बॉटम ऐश हैंडलिंग सिस्टम और एयर कूल्ड कंडेंसर स्थापित किया गया है, जिससे विद्युत उत्पादन के लिए ताजे पानी की खपत में काफी कमी आएगी। इसके अलावा इस परियोजना द्वारा बिहार एवं अन्य राज्यों, जैसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पंजाब आदि को किफायती बिजली प्रदान की जाएगी। इस परियोजना से स्थानीय समुदायों, व्यवसायों और उद्योगों में ऊर्जा की बढ़ती जरूरतें पूरी होंगी और क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। साथ ही, इस परियोजना से देश को ऊर्जा सुरक्षा और किफायती ऊर्जा का दोहरा उद्देश्य पूरा करने में भी मदद मिलेगी। एनटीपीसी लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत उपयोगिता कंपनी है, जो भारत में विद्युतआवश्यकताओं की पूर्ति में एक-चौथाई का योगदान देती है। इसकी स्थापित क्षमता 80 GW से अधिक है, तथा 32 GW की अतिरिक्त क्षमता निमार्णाधीन है, जिसमें 13 GW की ऊर्जा क्षमता नवीकरणीय है। कंपनी 2032 तक 60 GW नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। एनटीपीसी अपने ताप, जल, सौर और पवन ऊर्जा संयंत्रों द्वारा राष्ट्र में विश्वसनीय, किफायती और सतत बिजली आपूर्ति करते रहने के लिए समर्पित है। कंपनी हरित भविष्य के लिए सर्वोत्तम अभ्यासों का पालन करने, अभिनवता का विकास करने और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विक्रमगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में 200 गाड़ियों का काफिला निकला

भाजपा जिला महामंत्री सतीश कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री की सभा में जिले से लगभग 75000 हजार समर्थकों ने भाग लिया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- औरंगाबाद जिले से विक्रमगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में भाग लेने हेतु सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में 200 गाड़ियों का काफिला निकला, भाजपा जिला महामंत्री सह रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष सतीश कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री की सभा में जिले से लगभग 75000 हजार समर्थकों ने भाग लिया। बताते चलें कि रोहतास के बिक्रमगंज अनुमंडल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा आयोजित की गई थी परंतु उत्साह औरंगाबाद में देखा जा रहा था। सुबह से शहर में उत्सव का माहौल रहा। भाजपा के जिला महामंत्री सतीश कुमार सिंह अपने समर्थकों के साथ पीएम की

सभा के लिए रवाना हुए। वाहनों के काफिला के साथ बिक्रमगंज पहुंचे। उनके साथ नगर परिषद औरंगाबाद के मुख्य पार्षद उदय गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष मनोज कुमार, चिंटू सिंह, शिव गुप्ता, कृष्णा कुमार पिंटू, सुशील कुमार रिंकू, पंकज वर्मा, वार्ड पार्षद सिकंदर हयात, खुर्शीद अहमद के साथ बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक एवं भाजपा कार्यकर्ता बिक्रमगंज पहुंचे। सभा खत्म होने के बाद औरंगाबाद पहुंचे सतीश कुमार सिंह ने बताया कि पीएम की ऐतिहासिक सभा थी। 10 लाख से अधिक लोगों की भीड़ थी। उत्साहित भीड़ यह बताने के लिए काफी थी कि पीएम का जादू देश के लोगों पर छाया हुआ है। आपरेशन सिंदूर की सफलता की चर्चा सभास्थल पर हो रही थी। पाकिस्तान को घर में घुसकर मारने की क्षमता का जिक्र नागरिक कर रहे थे। सभा में हर वर्ग के लोग पहुंचे थे। बिहार में प्रधानमंत्री के आगमन से आगामी विधानसभा होने वाले चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत दर्ज होगी और बिहार में फिर से सुशासन की सरकार बनेगी।

शब्द वीणा औरंगाबाद द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस पर विचार संवाद

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- राष्ट्रीय स्तर की साहित्यिक-व- सांस्कृतिक संस्था शब्द वीणा जिला इकाई औरंगाबाद के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के मौके पर विचार संवाद के क्रम में कहा कि आज ही के दिन 1826 ई0 में हिंदी भाषा का पहला समाचार पत्र उदंत मार्तंड का प्रकाशन हुआ था जिस समय इस अखबार का प्रकाशन हुआ था उस समय पूरे हिंदुस्तान में दूर-दूर तक अंग्रेजी,फारसी,ऊर्दू एवं बांग्ला भाषा में समाचार पत्र छपते थे उस समय हिंदुस्तान की राजधानी कोलकाता थी। उत्तर प्रदेश कानपुर के एक वकील पंडित युगल किशोर शुक्ल ने फिरंगियों के नाक के नीचे हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की आधारशिला रखी और उदंत मार्तंड नाम से हिंदी समाचार पत्र प्रकाशित कराया यह समाचार पत्र सप्ताह में एक बार छपती थी सप्ताह में मंगलवार को इसका प्रकाशन किया जाता था इसी दिन से हिंदी पत्रकारिता की शुरूआत मानी जाती है। हालांकि यह समाचार पत्र डेढ़ वर्ष तक ही चली। लेकिन,इन डेढ़ वर्षो में उसने अंग्रेजी सरकार की नींव हिला दी। अंग्रेजों की सरकार ने डाक शुल्क पर प्रतिबंध लगाया और इसका 79 संस्करण ही छप सका। दिसंबर 1827ई0 में इसकी

अंतिम प्रति छपी लेकिन इसने एक लकीर खींच दी जो आज भी दो शताब्दी के पश्चात इसकी चर्चा हो रही है लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता को माना जाता है। आज हिंदी पत्रकारिता ने कितने उतार-चढ़ाव देखे इतने वर्षों में न जाने कितनी परेशानी आई होगी हिंदी पत्रकारिता को।लेकिन यह लगातार उत्कर्ष की ओर बढ़ता गया और आजादी के बाद से तो हिंदी पत्रकारिता ने नई छाप छोड़ी है।वर्तमान परिदृश्य में ध्रुवीकरण के दौर में डिजिटलाइजेशन के जमाने में औरंगाबाद जैसे ग्रामीण जिले में भी हिंदी की दो अखबार प्रतिदिन निकलती है।नव बिहार टाइम्स और सोनवर्षा वाणी। आज पत्रकारिता एक बड़ा ही दुरुह कार्य है पत्रकारिता का जॉब मुश्किलों भरा होता है। इतना के बावजूद भी हमारे पत्रकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर औरंगाबाद जिले में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार तथा जिलाधिकारी औरंगाबाद के निदेर्शानुसार आज विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर औरंगाबाद जिले के कुटुंबा प्रखंड अंतर्गत संडास पंचायत के वार्ड संख्या 12 में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूकता फैलाना एवं इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करना था। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी श्रीमती विनीता कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि मासिक धर्म एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, जिससे संबंधित भ्रांतियों को समाप्त करना एवं स्वच्छता के प्रति सजगता लाना, समाज के समग्र स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बालिकाओं से आग्रह किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और समाज की अन्य महिलाओं को भी इस विषय में जानकारी प्रदान करें। साथ ही, किसी भी असुविधा या समस्या की स्थिति में निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी। जेंडर स्पेशलिस्ट, जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन (DHEW), श्यामली कुमारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखना, संतुलित व पोषणयुक्त आहार लेना, तथा मानसिक रूप से सकारात्मक रहना किशोरियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक श्री ब्रजेश सिंह एवं श्यामली कुमारी ने DHEW की गतिविधियों तथा महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यक्रम के अंत में यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया गया कि माहवारी जैसे संवेदनशील विषय पर समाज में संवाद स्थापित कर, महिलाओं और किशोरियों को जागरूक एवं आत्मविश्वासी बनाया जा सकता है। इस आयोजन में स्थानीय ग्रामीणों के साथ वार्ड सदस्य श्री रामशंकर सिंह, श्री दीपक कुमार एवं श्रीमती प्रेमलता कुमारी की सक्रिय सहभागिता रही।

जन अधिकार मोर्चा के नेता संजय केसरी ने मेयर पर लगाया एस्टीमेट घोटाला का आरोप

नगर निगम के खिलाफ जन अधिकार मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष ने खोला मोर्चा

मुंगेर। नगर निगम मुंगेर के तथागठित एस्टीमेट घोटाला को लेकर जन अधिकार मोर्चा के बैनर तले संस्थापक अध्यक्ष संजय केसरी ने मेयर कुमकुम देवी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए राज्य सरकार से जांच की मांग की है। शुक्रवार को दो नंबर गुमटी स्थित अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष संजय केशरी ने कहा कि मुंगेर महापौर कुमकुम देवी अपने चहेते ठेकेदारों को टेंडर मैनेज करने के लिए लेस टेंडर भरवाने एवं अवांछित ठेकेदारों से टेंडर वापसी करवाने का खेल कर रही है। जिसकी उच्चस्तरीय जांच शुरू होते ही सबूत मिलने लगेगा। उन्होंने कहा कि अवांछित ठेकेदारों को हार्ड कॉपी के बहाने टरकाया जा रहा है। जबकि बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी निविदा के कागजात केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जायेंगे तथा हार्ड कॉपी जमा करना आवश्यक नहीं है। मोर्चा नेता संजय केसरी ने सीधे-सीधे मेयर कुमकुम देवी पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि प्राक्कलित राशि से 34% कम पर टेंडर भरना, 23% ऑफिस खर्चा और 10% ठेकेदारों का लाभ के बाद बचे 33% में से जीएसटी काटने के बाद भी ठेकेदार काम करने के लिए मारामारी करते हैं तो कार्य की गुणवत्ता नहीं होती है या अनाप-शनाप टेंडर राशि का

निर्धारण हो रहा है। संवाददाता सम्मेलन में संयुक्ता सिंह चौहान, जूली शर्मा, अजय प्रसाद सिंह, राम बिनय मालाकार, निरंजन गुप्ता, केशव केशरी एवं सदानंद भारती ने कहा कि इस बार निगरानी जांच के साथ-साथ उच्चस्तरीय विभागीय जांच के लिए भी पहल की जाएगी। निगरानी विभाग द्वारा मुंगेर नगर निगम के टेंडर घोटाला की चल रही जांच के बावजूद घोटालेबाजों के हौसले इतने बुलंद है कि टेंडर आमंत्रण सूचना संख्या 01/2025-26, 02/2025-26 तथा 03/2025-26 में भी जमकर टेंडर घोटाला एवं एस्टीमेट राशि घोटाला एवं लेस टेंडर वापसी घोटाला किया जा रहा है। दूसरी तरफ मेयर कुमकुम देवी ने जन अधिकार मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष संजय केसरी को पहचानने तक से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पता नहीं की कौन संजय केसरी है और क्या कुछ आरोप लगाया जा रहा है, उससे नगर निगम प्रशासन का कोई लेना-देना नहीं है। आए दिन नगर निगम प्रशासन के खिलाफ विपक्षी लोग साजिश रचते रहते हैं। इस पर नगर निगम को कोई ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

वनांचल महाविद्यालय, टंडवा में क्वीज प्रतियोगिता का है आयोजन

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवा:चतरा। वनांचल महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड स्टेट फैकेल्टी डेवलपमेंट एकैडेमी के आदेश पर की गई।क्वीज प्रतियोगिता बच्चों के ज्ञान का एक त्वरित और अनौपचारिक जानकारी के लिए आयोजित की जाती है। इस कार्यक्रम में एन एस एस के स्वयंसेवी छात्र छात्राओं के अतिरिक्त महाविद्यालय कर्मी की सरहनीय उपस्थिति रही। प्रो नवल किशोर प्रसाद के संचालन में जहां एक ओर कार्यक्रम सफल रहा वहीं महाविद्यालय शासी निकाय के सचिव अक्षयवट पाण्डेय का कुशल अभिभावक की छत्रछाया रही।परीक्षा में काजल कुमारी,सुधा कुमारी संध्या कुमारी संदीप कुमार एवं स्वाति कुमारी क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं त्रितीय रहे जिन्हें सचिव अक्षयवट पाण्डेय एवं प्राचार्य डॉ संजय नारायण दास ने पुरष्कृत किया। कार्यक्रम में डॉ संजय नारायण दास, कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रमोद कुमार पाठक, प्रो मनोहर चौबे, प्रो,प्रतिमा शरण,प्रो मनोज कुमार पांडेय,प्रो मनोज कुमार सिन्हा, प्रो मुनेश्वर सिंह, डॉ अनिल कुमार, डॉ सरोज तिवारी, प्रो रामदेव पासवान ,अनिल कुमार राणा, अनिल कुमार महतो ,अंसार उल हक,अशोक कुमार, प्रफुल्ल कुमार पांडेय छोटन राम,विजय राम,युगेश्वर रजक,राजेन्द्र राणा आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राजस्व विभाग की नई रैंकिंग में बांका नंबर 1, पटना और भागलपुर फिसले

पटना: राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा सभी अपर समाहर्त्ता (एडीएम) राजस्व कार्यालयों की अप्रैल महीने की रैंकिंग जारी कर दी गई है। इस महीने बांका एडीएम कार्यालय प्रथम स्थान पर है तथा दूसरा स्थान शेखपुरा को प्राप्त हुआ है। मधुबनी पिछले महीने के छठे स्थान से इस माह तीसरे स्थान पर आ गया है। जहानाबाद दूसरे स्थान से चौथे स्थान पर तो नालंदा चौथे से पांचवें स्थान पर चला गया है। औरंगाबाद बेहतर कार्य कर इस माह नौवें स्थान से छठे स्थान पर आ गया है। कैमूर अपने सातवें स्थान पर तो सीतामढ़ी आठवें स्थान पर बरकरार है। किशनगंज दसवें से नौवें और दरभंगा 11 वें से इस माह दसवें स्थान पर आ गया है। राजस्व संबंधित कार्यों के निपटारे में पूर्णिया अपर समाहर्त्ता(राजस्व) कार्यालय 11 वें, मधेपुरा 12 वें, अरवल 13 वें, पूर्वी चंपारण 14 वें, नवादा 15 वें, समस्तीपुर 16 वें, गोपालगंज 17 वें, भोजपुर 18 वें, खगड़िया 19 वें एवं कटिहार 20 वें स्थान पर हैं। सभी कार्यालयों की रैंकिंग उनके द्वारा किये गये राजस्व कार्यों के आधार पर की जाती है। इसमें एडीएम द्वारा किये गये अंचल कार्यालयों के निरीक्षण को भी शामिल किया जाता है। साथ ही एडीएम राजस्व न्यायालय में ऑनलाइन विवादों की सुनवाई के आधार पर भी अंक प्रदान किए जाते हैं।

समस्तीपुर में आभूषण विक्रेता को मारकर फेंका! पोखरे के पास मिला शव; इलाके में फैली सनसनी

बिहार: बिहार के समस्तीपुर जिले में उस समय सनसनी फैल गई, जब पुलिस ने शुक्रवार को एक आभूषण विक्रेता का शव बरामद किया। हत्या का कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। उधर, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, मामला जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने दाहु चौक के समीप पोखर से एक आभूषण विक्रेता का शव बरामद किया है। मृतक की पहचान कल्याणपुर गांव निवासी अविनाश कुमार के रूप में की गई है। वह जिले के दलसिंहसराय में आभूषण का दुकान चलाता था। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। मामले की छानबीन की जा रही है।

दुर्घटना पीड़ितों को बड़ी राहत, परिवहन आयुक्त ने लंबित बीमा क्लेम शीघ्र निपटाने के दिए कड़े निर्देश

पटना: बिहार में वाहन दुर्घटना पीड़ितों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। राज्य परिवहन आयुक्त नवीन कुमार ने बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे लंबित बीमा क्लेम के मामलों को ससमय निपटाएं। यह निर्देश बिहार मोटर वाहन दुर्घटना न्यायाधिकरण के सचिव और बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों की एक बैठक में दिया गया। बिहार मोटर वाहन दुर्घटना न्यायाधिकरण की ओर से कुल 1016 मामलों में बीमा कंपनियों को 85 करोड़, 38 लाख रुपए का क्लेम आर्डर पास किया गया है। बीमा कंपनियों के स्तर से 494 दावों का निपटारा करते हुए 43.65 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। राज्य परिवहन आयुक्त ने मोटर वाहन दुर्घटना न्यायाधिकरण के सचिव को निर्देश दिया है कि अदालतों में हुई सुनवाई के आधार पर दस्तावेजों को तत्परता के साथ संबंधित अधिकारी द्वारा पोर्टल पर अपडेट कराया जाए। बैठक में परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव कृत्यानंद रंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोसी और पूर्णिया में मत्स्य विकास को लेकर हुई अहम बैठक, निदेशक ने दिए रणनीतिक निर्देश

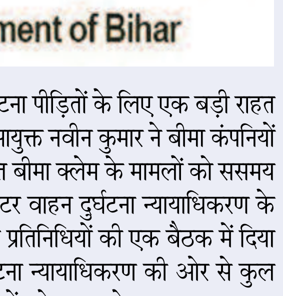

पटना: पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार के मत्स्य निदेशालय में निदेशक मत्स्य की अध्यक्षता में कोसी और पूर्णियाँ परिक्षेत्र के मत्स्य किसान उत्पादक समिति की समीक्षात्मक बैठक विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गयी। बैठक में बिहार राज्य की ओर से उप मत्स्य निदेशक, कोसी और पूर्णियाँ परिक्षेत्र तथा मत्स्य उत्पादक समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा भाग लिया गया। बैठक के दौरान निदेशक मत्स्य ने मत्स्य किसान उत्पादक समिति से पिछले वित्तीय वर्ष में मत्स्य उत्पादन, हैचरी कल्चर एवं विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की समीक्षा की तथा इस वित्तीय वर्ष के उत्पादन और मुनाफे के बारे में लक्ष्य प्राप्त करने की तैयारी की जानकारी ली। निदेशक मत्स्य के द्वारा मत्स्य किसान उत्पादक समिति को निर्देश दिया गया कि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न राज्य योजनाओं का लाभ लेकर मुल्य वर्धित कर सकते है। खासकर चौर विकास योजना के तहत नए तालाब निर्माण पर बल देने की बात कही। इसके अतिरिक्त केन्द्र द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर कल्चर, मत्स्य फिड प्रोडक्शन बढ़ाने रेफ्रिजरेटेड वाहन तथा उन्नत मत्स्य बीज योजना मे आवेदन करने का निर्देश दिया गया।

लखीसराय में 26 प्रोबेशनरी सब इंस्पेक्टरों की थानों में हुई पोस्टिंग, मिली नई जिम्मेदारी

14 महिला एसआई का पोस्टिंग, एसपी अजय कुमार का बड़ा फैसला

दिव्य दिनकर संवाददाता

लखीसराय (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत लखीसराय जिला में पदस्थापित परीक्ष्यमान पुलिस अवर निरीक्षक का प्रशिक्षण अवधि समाप्त होने पर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने नए सिरे से उन्हें थानों में पोस्टिंग कर कांडों के अनुसंधान की जिम्मेदारी सौंपी है। एसपी अजय कुमार ने जिला आदेश जारी कर 26 प्रोबेशनरी सब इंस्पेक्टर को अलग-अलग थानों में पोस्टिंग कर नई जिम्मेदारी दी है। इनमें 14 महिला सब इंस्पेक्टर शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने 24 घंटे के अंदर सभी पुलिस अवर निरीक्षक को अपने-अपने पद स्थापित स्थान पर योगदान करने का आदेश दिया है। एसपी ने लखीसराय थाना से चार और कबैया थाना से दो सब इंस्पेक्टर को हटाकर नए एसआई की पोस्टिंग की है। किस सब इंसपेक्टर की किस थाने में हुई पोस्टिंग? एसआई कुंदन कुमार, लखीसराय थाना से हलसी थाना एसआई अनिल कुमार, लखीसराय थाना से पीरी बाजार थाना एसआई निकिता कुमारी, लखीसराय थाना से बड़हिया थाना एसआई अमृता सिन्हा, लखीसराय थाना से माणिकपुर थाना एसआई रजनी कुमारी, कबैया थाना से बड़हिया थाना एसआई कंचन

कुमारी, कबैया थाना से चानन थाना एसआई आदित्य कुमार झा, सूर्यगढ़ा थाना से अमहरा थाना एसआई अलका कुमारी, सूर्यगढ़ा थाना से रामगढ़ चौक थाना एसआई रोहित रंजन, सूर्यगढ़ा थाना से बड़हिया थाना एसआई राखी आनंद, बड़हिया थाना से तेतरहाट थाना एसआई सुकृति सिंह, बड़हिया थाना से माणिकपुर थाना एसआई भावना रेवराज, बड़हिया थाना से कबैया थाना एसआई प्रियंका कुमारी, मानिकपुर थाना से एससी एसटी थाना एसआई अमित कुमार, हलसी थाना से सूर्यगढ़ा थाना एसआई रोहित कुमार, हलसी थाना से वीरुपुर थाना एसआई राजेश कुमार, मेदनीचौकी थाना से हलसी थाना एसआई काजल कुमारी, रामगढ़ चौक थाना से लखीसराय थाना एसआई सौरभ कुमार, वीरुपुर थाना से लखीसराय थाना एसआई सुजाता लता, तेतरहाट थाना से मेदनीचौकी थाना एसआई पूजा कुमारी दो, चानन थाना से कबैया थाना एसआई सूरज कुमार एक, पीरी बाजार थाना से एससी एसटी थाना एसआई ब्यूटी कुमारी, मेदनी चौकी थाना से लखीसराय थाना एसआई अभिमन्यु कुमार, तकनीकी शाखा से मेदनी चौकी थाना एसआई नीतीश कुमार, तकनीकी शाखा से लखीसराय थाना एसआई अमित कुमार राजा, अमहरा थाना से सूर्यगढ़ा थाना एसआई रोहित रंजन, सूर्यगढ़ा थाना से बड़हिया थाना, एसआई पूजा, एससी एसटी थाना से सूर्यगढ़ा थाना.

सिमरिया गंगा तट से सास का चेन छीनकर भागे बदमाश, पीछा कर रहे दामाद को बदमाशों ने मारी गोली

बेगूसराय के सिमरिया गंगा घाट पर समस्तीपुर से आए श्रद्धालुओं के साथ अप्रिय घटना हुई

अज्ञात बदमाशों ने एक महिला के गले से चेन छीनने की कोशिश की और विरोध करने पर महिला के दामाद को गोली मार दी।

घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

सिमरिया घाट पर महिला के साथ हुई चेन छिनतई

दिव्य दिनकर सवाददाता

बेगूसराय (मुगेर): बेगूसराय जिला के चकिया थाना अंतर्गत सिमरिया गंगा नदी तट पर गुरुवार की सुबह आठ बजे समस्तीपुर जिले के मकरदही से तीन-चार वाहनों पर सवार होकर आए एक दर्जन लोगों ने सिमरिया घाट पर गाड़ी लगाकर गंगा स्नान करने लगे।

इसी दौरान समस्तीपुर मकरदही निवासी जयप्रकाश की पत्नी अनुराधा देवी शौच के लिए जा रही थी। तभी सीढ़ी घाट के पास ही दो अज्ञात बदमाशों ने अनुराधा देवी के गले से सोने की चेन झपट्टा मारकर भागने लगा।

दामाद को मारी गोली

उनके द्वारा हल्ला करने पर महिला के दामाद गाजियाबाद निवासी संदीप कुमार गुप्ता सहित अन्य लोग बदमाशों को खदेड़ा तो दोनों बदमाशों ने कट्टा निकाल लिया और एक ने हवाई फायर की, जबकि दूसरे ने संदीप कुमार गुप्ता के पैर में गोली मारकर घायल कर दिया। बदमाश गोलीबारी करते हुए फरार हो गए, घटना के बाद स्वजनों में कोहराम मच गया। स्वजनों ने आनन-फानन में घायल व्यक्ति को इलाज के लिए एलेक्सिया अस्पताल में भर्ती कराया। यहां हालत ठीक है। घायल संदीप कुमार गुप्ता, उनकी पत्नी सोनी कुमारी ने बताया कि आठ बजे वे लोग गंगा नदी तट पर गंगा स्नान करने पहुंचे।

कपड़ा सुरक्षित स्थान पर रखकर गंगा नदी में स्नान करने की तैयारी कर रहे थे। तभी बदमाशों ने गले से सोने की चेन झपट्टा मारकर भागने लगा। उन्होंने कहा कि घटना के बाद चकिया थाना की गश्ती पुलिस वाहन पर बैठे पदाधिकारी मदद करने के बजाए घटनास्थल से वाहन के साथ गायब हो गए।

पुलिस कर्मियों पर उठाए सवाल

किसी पदाधिकारी एवं सुरक्षा बल ने गाड़ी से उतरकर बदमाशों की तरफ जाने की जुर्रत नहीं की। अपने निजी वाहन से इलाज के लिए ले जाया गया। न ही एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराई गई। छिनतई के दौरान महिला के गले में निशान आ गया है। घायल व्यक्ति की पत्नी सोनी कुमारी ने बताया कि सिमरिया गंगा नदी तट पर सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर कुछ भी नहीं है। जबकि यहां लोग दूर दूर से आते हैं। दिनदहाड़े लूटपाट, गोलीबारी, मारपीट की घटना हो रही है। उन्होंने जिला प्रशासन से सिमरिया धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की। इस संबंध में चकिया थाना प्रभारी नीरज कुमार चौधरी ने घायल श्रद्धालुओं से पूछताछ करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि इस घटना में शामिल बदमाशों को बख्शा नहीं जाएगा।

झारखंड आंदोलन के जुझारू सिपाही आलोक कुमार दूबे को मिला 'चिन्हित आंदोलनकारी' का दर्जा

युवाओं के लिए बने प्रेरणा स्रोत

रांची

झारखंड अलग राज्य आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले जुझारू नेता और प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे को झारखंड सरकार द्वारा ₹चिन्हित झारखंड आंदोलनकारी₹ का दर्जा प्रदान किया गया है। यह सम्मान उस ऐतिहासिक संघर्ष की औपचारिक मान्यता है, जिसमें श्री दूबे ने छात्र नेतृत्व से लेकर जनजागरण अभियान तक निर्णायक भूमिका निभाई थी। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कई आंदोलनों की अगुवाई की, लाठियां खाईं, गिरफ्तारियां झेलीं, पर आंदोलन के प्रति समर्पण कभी नहीं टूटा। उनकी प्रेरणा से छात्र और युवा वर्ग झारखंड आंदोलन की रीढ़ बन गया। उनके नेतृत्व में गठित ₹सर्वदलीय अलग राज्य निर्माण समिति₹ में न्यायमूर्ति लाल पिंगला नाथ शाहदेव को संयोजक और आलोक कुमार दूबे को प्रवक्ता बनाया गया। दोनों नेताओं की जोड़ी ने झारखंड के कोने-कोने में आंदोलन की लौ जलाए रखी और सभी दलों को एक मंच पर लाकर जनचेतना को गति दी। 21 सितंबर 1998 का ऐतिहासिक झारखंड बंद, आंदोलन की दिशा बदल देने वाला क्षण साबित हुआ। उस दिन जस्टिस शाहदेव और आलोक कुमार दूबे को रांची में गिरफ्तार किया गया था, जिसकी पुष्टि स्वयं न्यायमूर्ति शाहदेव ने अपने लेखों में की है। एनएसयूआई कार्यालय आंदोलन का केंद्र बना रहा और वहीं से रणनीति तय की जाती थी। आलोक कुमार दूबे को राष्ट्रीय मंचों पर भी झारखंड के मुद्दे को उठाने का अवसर मिला। संसद एनेक्सी में कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष उन्होंने राज्य निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान उन्हें सोनिया गांधी, अहमद पटेल जैसे वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन और समर्थन भी प्राप्त हुआ। उनकी सादगी, निष्ठा और नेतृत्व क्षमता के कारण वे आंदोलन के एक विश्वसनीय चेहरे बने। आज उन्हें मिला ₹चिन्हित आंदोलनकारी₹ का दर्जा न केवल उनके संघर्ष का सम्मान है, बल्कि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है जो सामाजिक बदलाव की आकांक्षा रखते हैं। इसी क्रम में लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं राजेश गुप्ता को भी ₹चिन्हित आंदोलनकारी₹ का दर्जा प्रदान किया गया है। यह उन सभी का सम्मान है जिन्होंने झारखंड के सपने को साकार करने में योगदान दिया।

कल सभी स्कूलों में होगी अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी, शिक्षा विभाग ने दिए निर्देश

पटना: अब निजी स्कूलों की तर्ज पर राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में भी शिक्षक और अभिभावक के बीच संवाद आयोजित किया जा रहा है। इसे लेकर शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी प्राथमिक, मध्य, उच्च एवं उच्चतर विद्यालयों में 31 मई यानी शनिवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी आयोजित करने का निर्देश जारी किया है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में अभिभावकों की भागीदारी को मजबूत करना है। इसके क्रियान्वयन को लेकर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सभी स्तर के स्कूलों के प्रधानाध्यापक और प्रभारी शिक्षक को निर्देश जारी किया है। इस निर्देश में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि गर्मी की छुट्टियों से पहले 'पढ़ेंगे, बढ़ेंगे और सीखेंगे हम' विषय पर आयोजित होने वाले संगोष्ठी का आयोजन काफी महत्वपूर्ण है। इस संगोष्ठी में स्कूल के शिक्षक और अभिभावकों के बीच छात्रों की शिक्षा, पुस्तक वितरण, गृहकार्य, स्कूल वातावरण और अनुशासन के मुद्दों पर खुलकर चर्चा होगी। इस संबंध में कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी जारी किए गये हैं।

प्रमुख निदेर्शः

कक्षा में 01 अप्रैल से 31 मई तक पढ़ाए गए पाठ्यक्रमों और अभ्यास पुस्तिका का छात्र छुट्टियों में घर पर रहकर रिवीजन करेंगे। इसके लिए अभिभावकों को प्रेरित किया जाएगा कि वे बच्चों को समझाकर पढ़ाए गए पाठ्यक्रम का पुर्नअभ्यास कराएं। छुट्टियों के दौरान छात्रों को पढ़ने के लिए घर पर एक ह्यपढ़ाई का कोना' (स्टडी कॉर्नर) विकसित किया जाए। निर्धारित कोने में कुर्सी या फर्श पर चटाई या बोरा बिछाकर बैठने के लिए जगह बनायी जाए। साथ ही दीवार पर कुछ पोस्टर और रुटीन चिपकाकर पढ़ने का माहौल तैयार किया जाए। इस मीटिंग के दौरान शिक्षक अभिभावकों को गर्मी की छुट्टी में छात्रों को दिए गये होमवर्क के बारे में जानकारी देंगे। सभी कक्षाओं के लिए एससीईआरटी ने गृहकार्य निर्धारित किया है और इसे ई-शिक्षाकोष पर उपलब्ध कराया गया है। शिक्षक अभिभावकों को ई-शिक्षाकोष से गृहकार्य की प्रति डाउनलोड कर उपलब्ध कराएंगे। इसके साथ ही वर्ग शिक्षक अभिभावकों से छात्रों को मिलने वाले पाठ्य पुस्तक, अभ्यासपुस्तिका, डायरी एवं टीएलएम किट के संबंध में अवगत कराएंगे और उसके रखरखाव के संबंध में चर्चा करेंगे। पाठ्यपुस्तक के मुख पृष्ठ और पिछले पन्ने पर यातायात के नियम, साफ-सफाई, समाज में बच्चों का कैसा आचरण हो, कतार में खड़े रहना, वातावरण की साफ-सफाई एवं नागरिक बोध लिखे गए हैं, जिसे अभिभावक समझकर छुट्टी के दौरान बच्चों के साथ चर्चा करें। विद्यालय के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए अभिभावकों से सुझाव भी लिए जाएंगे। इन प्रमुख निदेशों के अलावा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने आशा व्यक्त की है कि छात्र छुट्टियों के दौरान विभिन्न जगहों पर जाएंगे और परिवार के साथ भरपूर आनंद लेंगे।

महिलाओं के हाथ में आर्थिक आजादी की चाबी: जीविका निधि साख सहकारी लिमिटेड का शुभारंभ

पटना: बिहार में महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक वित्तीय व्यवस्था को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत, बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी लिमिटेड, पटना का औपचारिक रूप से निबंधन (रजिस्ट्रेशन) हुआ । यह राज्य स्तर की एक महिला नेतृत्व वाली साख सहकारी संस्था है, जो जीविका द्वारा प्रोत्साहित की गई है। इस संस्था का उद्देश्य है कि राज्य की ग्रामीण महिलाओं को सुलभ, समयबद्ध और संरचित ऋण सुविधा उपलब्ध हो, ताकि वे अपने व्यवसाय, कृषि एवं स्वरोजगार गतिविधियों को आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ा सकें। इस अवसर पर सहकारिता विभाग, बिहार सरकार के सचिव धर्मेन्द्र सिंह एवं रजिस्टार इनायत खान ने संयुक्त रूप से बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी लिमिटेडह्व का निबंधन प्रमाणपत्र जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हिमांशु शर्मा को सौंपा। यह क्षण न केवल जीविका के लिए, बल्कि राज्य की एक करोड़ से अधिक महिला सदस्यों के लिए भी गौरवपूर्ण रहा। महिला नेतृत्व में सामूहिक हित हेतु वित्तीय संस्थान की स्थापना बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी लिमिटेड उन संस्थाओं में शामिल हो गई है जो पूर्णतः महिलाओं की भागीदारी द्वारा संचालित और नियंत्रित हैं। इस सहकारी संस्था के गठन के पीछे वर्षों की जमीनी मेहनत, संस्थागत ढांचा विकास, वित्तीय साक्षरता निर्माण और सामुदायिक जागरूकता की मजबूत नींव रही है। राज्य की संकुल स्तरीय संघों (CLF) ने दीर्घकालीन जमा राशि के रूप में योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त, बिहार सरकार द्वारा भी वित्तीय सहायता इस संस्था को उपलब्ध कराई गई है, जिससे यह स्वावलंबी एवं सशक्त संस्था बन सके।

बोट राइट के दौरान

प्रियंका चोपड़ा

संग रोमांटिक हुए निक, एकटक बीवी को प्यार से निहारते दिखे, तस्वीर हुई...

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा आज हॉलीवुड में भी खास पहचान बना चुकी हैं। प्रियंका ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। प्रियंका ने हॉलीवुड सिंगर निक जोनस से शादी की है। प्रियंका और निक की जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं। निक और प्रियंका हमेशा ही कपल गोल्स सेट करने का कोई मौका कभी नहीं छोड़ते हैं। अक्सर ही इन दिनों की रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर सामने आती रहती हैं, जिन्हें इनके चाहने वाले काफी पसंद करते हैं। ऐसे में अब इन जोड़े की एक और रोमांटिक तस्वीर सोशल मीडिया पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। इस तस्वीर में निक अपनी वाइफ को प्यार से निहारते नजर आ रहे हैं।

प्रियंका को एकटक निहारते दिखे निक

दरअसल प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने मिस्टर हसबैंड निक जोनस संग रोमांटिक तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर में दोनों रोमांटिक बोट राइडिंग का मजा लेते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के बैकग्राउंड में समंदर का गहरा पानी और ऊंची बिल्डिंग्स नजर आ रही हैं। लेकिन इस तस्वीर में अगर फैंस का ध्यान किसी चीज ने सबसे ज्यादा खींचा तो वो था निक का प्रियंका को प्यार से निहारना। बोट पर बैठकर जहां एक्ट्रेस इस खूबसूरत नजारे का आनंद उठा रही हैं। वहीं, निक एकटक प्रियंका को देखते नजर आ रहे हैं। इस दौरान प्रियंका हल्की सी मुस्कान के साथ कैमरे के सामने पोज देते हुए बेहद खूबसूरत लग रही है।

निक-प्रियंका की एक बेटी है

बता दें कि निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा ने साल 2018 में धूमधाम से शादी की थी। दोनों ने क्रिश्चियन वेडिंग के साथ ही हिंदू रीति रिवाज से भी ग्रैंड शादी की थी। शादी के करीब तीन साल बाद, सरोगेसी के जरिए उन्होंने एक बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम कपल ने मालती रखा। दोनों अक्सर अपनी बेटी मालती के साथ वक्त बिताते और खूबसूरत पलों की तस्वीरें शेयर करती रहते हैं।

जल्द नजर आएंगी इन फिल्मों में

प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही एसएस राजामौली के साथ काम करते नजर आएंगी। इसमें वो महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ देखेंगी। इसके अलावा प्रियंका जल्द ही इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ हेड्स ऑफ स्टेट और द ब्लफ में नजर आएंगी।

सलमान-कटरीना की 'महा बकवास' फिल्म, 20 करोड़ भी नहीं कमाए, मेकर्स ने उड़ाए थे 45 करोड़

सलमान खान और कटरीना कैफ की जोड़ी बड़े पर्दे की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है. दोनों कलाकारों ने साथ में आधा दर्जन फिल्में की हैं और इस जोड़ी को रुपहले पर्दे पर फैंस का काफी प्यार मिला है. दोनों की कई फिल्मों ने टिकट खिड़की पर रिकॉर्ड ब्रेक किए और नए रिकॉर्ड भी बनाए. हालांकि सलमान और कटरीना की एक फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी. यहां बात हो रही है साल 2008 में आई फिल्म 'युवराज' की. युवराज ने फैंस को इस कदर निराश किया कि ये पिक्चर अपने बजट का आधा भी नहीं कर्मा पाई थी और सलमान-कटरीना के करियर की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक बन गई.

45 करोड़ रुपये था बजट

सलमान खान और कटरीना कैफ की युवराज 17 साल पहले 21 नवंबर 2008 को रिलीज हुई थी. कई फैंस को तो दोनों की इस फिल्म का नाम तक पता नहीं होगा. फिल्म का हिस्सा अनिल कपूर और जायेद खान जैसे स्टार्स भी थे. इसका डायरेक्शन सुभाष घई ने किया था और वो ही इसके प्रोड्यूसर भी थे. सुभाष घई ने इस फिल्म पर 45 करोड़ रुपये खर्च किए थे.

सिर्फ 16 करोड़ हुई थी कमाई

युवराज में फैंस को न ही सलमान और कटरीना की जोड़ी पसंद आई और न ही इसकी कहानी. बॉक्स ऑफिस पर ये पिक्चर बुरी तरह पिट गई थी. टिकट खिड़की पर इसकी शुरुआत बेहद धीमी रही और ये अपनी पकड़ भी नहीं बना पाई. भारत में सिर्फ 2.72 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने वाली युवराज ने इंडियन बॉस ऑफिस पर टोटल 16.67 करोड़ की कमाई की थी और बजट का आधा अभी नहीं वसूल पाई. वहीं वर्ल्डवाइड ये आंकड़ा 28.82 करोड़ रुपये तक पहुंचा था. ऐसे में सलमान और कटरीना की ये पिक्चर डिजास्टर साबित हुई.

इन फिल्मों में भी सलमान-कटरीना ने शेयर की स्क्रीन

सलमान खान और कटरीना कैफ ने युवराज के अलावा 'मैंने प्यार क्यों किया', 'पार्टनर', 'टाइगर 3', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'भारत' जैसी फिल्मों में भी स्क्रीन शेयर की है. वैसे आपको बता दें कि रील लाइफ के अलावा दोनों रियल लाइफ केमिस्ट्री को लेकर भी चर्चा में रहे हैं. दोनों ने एक दूसरे को डेट लिया था. हालांकि जल्द ही कटरीना और सलमान अलग हो गए थे.

कैसी एक्ट्रेस है, चुप नहीं रह सकती क्या? पहली मुलाकात में काजोल से चिढ़ गए थे शाहरुख खान

बॉलीवुड में बड़े पर्दे पर शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी काफी पसंद की गई है. दोनों कलाकारों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया और दोनों की लगभग सभी फिल्में सफल रही हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि शाहरुख और काजोल की पहली मुलाकात कब और कैसे हुई थी? दोनों की पहली मुलाकात नोक झोक से भरी थी. जहां काजोल, शाहरुख को खड़ूस समझती थीं तो वहीं शाहरुख को काजोल का ज्यादा बोलना पसंद नहीं था. काजोल के ज्यादा बोलने के चलते शाहरुख उनसे चिढ़ गए थे और ये तक कह दिया था कि ये कैसी एक्ट्रेस है? चुप नहीं रह सकती क्या?

'बाजीगर' के दौरान पहली बार मिले

शाहरुख खान और काजोल ने पहली बार साथ में 1993 की फिल्म 'बाजीगर' में काम किया था. इसी फिल्म के सिलसिले में दोनों की पहली मुलाकात हुई थी. दोनों ने अपनी पहली मुलाकात का जिक्र एबीपी न्यूज के साथ बातचीत में किया था. शाहरुख ने बताया था कि 1 जनवरी से बाजीगर की शूटिंग शुरू हुई थी और वो दोनों नए साल की पार्टी के बाद मिले थे. पार्टी के तुरंत बाद सब शूटिंग के लिए पहुंच गए थे.

काजोल से चिढ़ गए थे शाहरुख

बाजीगर के सेट पर काजोल बहुत ज्यादा तेज आवाज में बात कर रही थीं और ये चीज शाहरुख को बिलकुल पसंद नहीं आई. अभिनेता ने इसे लेकर काजोल से शिकायत भी की थी. शाहरुख ने इंटरव्यू में बताया था, मैंने अपने मेकअप आर्टिस्ट से भी बोला था कि वो किस तरह की एक्ट्रेस है, क्या कुछ समय के लिए चुप नहीं रह सकती?'

काजोल को खड़ूस लगते थे शाहरुख

जहां शाहरुख, काजोल के ज्यादा और तेज आवाज में बोलने के चलते परेशान थे तो वहीं काजोल ने शाहरुख खान को खड़ूस समझा था. काजोल के मुताबिक पहली मुलाकात में उन्हें शाहरुख खास पसंद नहीं आए थे. पहली मुलाकात में शाहरुख से काजोल नाखुश थीं.

इन फिल्मों में साथ में किया काम

'बाजीगर' 1993 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई. इसके बाद दोनों को 1995 की फिल्म 'करण अर्जुन' में देखा गया था. ये पिक्चर सुपरहिट निकली. हालांकि दोनों की जोड़ी को सबसे ज्यादा 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में पसंद किया गया. ये पिक्चर ऑल टाइम ब्लॉकस्तर रही. इनके अलावा दोनों ने 'कभी खुशी कभी गम', 'कुछ कुछ होता है', 'माय नेम इज खान' और 'दिलवाले' में भी स्क्रीन शेयर की थी.

अरबाज खान से तलाक से पहले वाली रात क्या हुआ था?

मलाइका अरोड़ा

ने खुद सुनाई थी पूरी कहानी

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा कभी बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल में से एक थे. हालांकि दोनों ने करीब आठ साल पहले अपना रिश्ता खत्म करके फैंस को तगड़ा झटका दे दिया था. दोनों ने साल 2017 में अपनी 19 साल पुरानी शादी तलाक के साथ खत्म कर ली थी. अपने तलाक को लेकर मलाइका और अरबाज दोनों ही कई मौकों पर बात कर चुके हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि तलाक से पहले वाली रात क्या हुआ था? आइए आपको बताते हैं कि इसे लेकर खुद मलाइका ने क्या कुछ कहा था?

तलाक से पहले मलाइका को क्या सलाह मिली?

मलाइका अरोड़ा ने तलाक के बाद करीना कपूर खान के चैट शो 'व्हाट वुमेन वांट' में खुलकर बात की थी.

करीना ने मलाइका से पूछा था कि तलाक के दौरान उन्हें परिवार के लोगों और दोस्तों से क्या सलाह मिली थी? इसके जवाब में मलाइका ने कहा था, मुझे लगता है कि सबकी पहली राय यही थी कि मत करना, कोई नहीं कहेगा कि जाओ करो. तो पहली चीज जो थी कि मत करना, सोच समझकर करना.

तलाक के पहले वाली रात क्या हुआ था?

करीना कपूर के सामने मलाइका ने ये भी बताया था कि जिस दिन तलाक की अर्जी पर कोर्ट में सुनवाई होनी थी उससे पहले वाली रात क्या हुआ था. एक्ट्रेस ने कहा था, तलाक से ठीक पहले की रात पूरा परिवार मेरे साथ बैठा और एक बार फिर पूछा, 'क्या तुम श्योर हो. क्या तुम 100 फीसदी अपने फैसले पर टिकी हो? मैं ये लंबे समय से सुनती आ रही थी और मुझे लगता था कि ये वो लोग हैं, जो मेरी चिंता और परवाह करते हैं. इसलिए वो जरूर ये कहेंगे.

1998 में हुई थी शादी

मलाइका और अरबाज की पहली मुलाकात 1993 में एक शूट के दौरान हुई थी. इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था. करीब पांच साल की डेटिंग के बाद दोनों ने साल 1998 में शादी रचा ली थी. वहीं दोनों ने 2002 में बेटे अरहान खान का वेलकम किया था. लेकिन 2017 में तलाक लेकर अपनी राहें अलग कर ली.

अरबाज ने फिर 2023 में शूरा खान से दूसरी शादी कर ली थी. जबकि मलाइका ने दूसरी बार घर नहीं बसाया.